INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-114 | सांध्य दैनिक | मथुरा, शनिवार, 20 जून 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

खनन माफिया ने ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि की कार में मारी टक्कर

शादी से लौट रहे थे शुक्रवार रात सेरसा के समीप हुई घटना

पुलिस संरक्षण में चल रहा है क्षेत्र में मिट्टी खनन का खेल

यूनिक समय, मथुरा। खाकी के संरक्षण में मिट्टी खनन का काम कर रहे माफिया के इन दिनों हौंसले बुलंदी पर है। शादी समारोह से लौटते ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि की कार को साइड मांगने पर खनन में लगे चालक ने ट्रैक्टर मार दिया, जिससे कार क्षतिग्रस्त हो गई। जानकारी पर क्षेत्र के प्रधान एकजुट होकर ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि के समर्थन में उतर आए। अब मामले में अधिकारियो ं से शिकायत की बात कही जा रही है।

शुक्रवार रात करीब 10 बजे ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि अनिल सिंह अपनी कार से ओल के समीप नगला अबुआ में आयोजित शादी समारोह से लौट रहे थे। वह गेट नंबर-नौ स्थित आवास पर आने के लिए सेरसा होकर आ रहे थे। रास्ते में नगला अबुआ और सेरसा के मध्य उनकी कार के चालक ने आगे चल रहे मिट्टी से भरे ट्रैक्टर से लाइट के जरिये साइड मांगी। साइड नहीं मिलने पर हॉर्न बजाया, लेकिन साइड नहीं मिली। इस पर चालक ने कई बार लगातार हार्न बजा दिया तो खनन माफिया बौखला उठा। बार- बार हार्न सुनकर अवैध मिट्टी खनन करके ले जा रहे चालक ने साइड तो दे दी, मगर साइड से ट्रैक्टर द्वारा कार में टक्कर मार दी, जिससे कार क्षतिग्रस्त हो गई।

ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अनिल सिंह का आरोप है कि ऐसा होने के बाद उन्होंने ओल चौकी इंचार्ज को कई बार कॉल की तो उन्होंने फोन नहीं उठाया। इसके बाद एसडीएम सदर को घटना की सूचना फोन से दी तो उन्होंने खनन माफिया के विरुद्ध कार्रवाई की बात कही।

इस घटना के बाद क्षेत्र के काफी प्रधान शनिवार सुबह ब्लॉक परिसर पहुंचे, जहां बैठक के बाद प्रधान ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि के साथ लामबंद हो गये हैं। सभी ने खनन माफिया के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अनिल सिंह ने बताया कि ओल क्षेत्र में बडे पैमाने पर रात के अंधेरे में जेसीबी और ट्रैक्टर ट्रॉली द्वारा अवैध खनन हो रहा है। जब वह वहां से निकले तब उनके सामने भी खनन होता मिला। वह इस मामले में अधिकारियों से मिलकर कार्रवाई की मांग करेंगे।

पिट रही पुलिस, फिर भी करा रही है खनन

मिट्टी खनन के अवैध काम से पुलिस को महीने में काफी माल मिल जाता है। इसलिए पुलिस खनन माफिया की पिटाई खाने के बाद भी अवैध खनन के काम को करा रही है। गांव सायपुर में एक माह पहले खनन माफिया ने दरोगा और पुलिसकर्मियों को पीटा, कुछ दिन काम बंद रहा, फिर शुरू हो गया है। पुलिस को एक ट्रैक्टर से केवल 15 दिन के15 हजार मिलते हैं। फरह क्षेत्र में इन दिनों साठ से अस्सी ट्रैक्टर केवल मिट्टी खनन का काम कर रह हैं। वहीं, ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि की कार को क्षतिग्रस्त करने वाले ट्रैक्टर राजू पहलवान के बताए गए हैं। पुलिसकर्मी सफेद बोलेरो के साथ खनन काम के दौरान मौजूद रहते हैं। इस घटना के दौरान ओल पुलिस चौकी की गाड़ी खनन माफिया के आसपास मड़राती रही। आरोप है कि दारोगा ने ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि का फोन रिसीब नहीं किया, जबकि खनन माफिया का फोन बराबर रिसीब होता रहा।

पांच लाख रुपये कीमत का पनीर और दूध कराया नष्ट

गाड़ी में भरे पनीर को नष्ट कराते खाद्य विभाग के अधिकारी आदि।

यूनिक समय, मथुरा। शनिवार को खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों ने कोसीकलां में करीब पांच लाख रुपये कीमत का पनीर और दूध नष्ट कराया। डेयरी से दूध, पीनर आदि के पांच नमूने भी जांच के लिए भरे गए।

सहायक आयुक्त खाद्य जतिन कुमार सिंह के नेतृत्व आज आयुक्त खाद्य सुरक्षा- औषधि प्रशासन और डीएम सीपी सिंह के निर्देश के क्रम में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन जनपद की टीम ने गोपाल बाग कोसी कलां स्थित कल्लू डेयरी पर छापामारी की गई।

छापामार कार्रवाई के दौरान टीम को डेयरी परिसर में बहुत ही अस्वास्थ्यप्रद- अस्वच्छ परिस्थितियों में पनीर का निर्माण होता मिला। भंडारित दूध में मक्खियां पड़ी मिलीं। इस पर खाद्य विभाग की टीम ने पनीर के दो, मिश्रित दूध का एक, क्रीम का एक और घी के एक नमूने समेत पांच नमूने संग्रहित कर जांच के लिए गए, जिनको प्रयोगशाला भेजा जाएगा।

सहायक आयुक्त खाद्य जतिन कुमार सिंह ने बताया कि कार्रवाई के दौरान करीब 3.36 लाख रुपये कीमत का12 सौ किलो प्रदूषित पनीर और 2.10 लाख रुपये कीमत का 3000 लीटर मिश्रित दूध मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में गड्ढा खुदवा कर नष्ट कराया गया। उन्होंने बताया के इस कार्रवाई के बाद डेयरी परिसर को सील कर निर्माण कार्य बंद करा दिया गया है। इसके अलावा आरएसडी डेयरी कोसी कलां पर कार्रवाई करते हुए एकपनीर का नमूना संग्रहित किया गया। टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी राम नरेश सिंह, जितेन्द्र सिंह, अरुण राणा, धर्मेंद्र सिंह,मोहर सिंह मौजूद रहे।

दो कॉलोनियों में चली विप्रा की जेसीबी

यूनिक समय, मथुरा। शनिवार को मथुरा- वृंदावन विकास प्राधिकरण की टीम ने पुलिस के सहयोग से दो कॉलोनियों में निर्माण ध्वस्त कराया। प्राधिकरण अधिकारियों के अनुसार, धीरज सैनी द्वारा लोटस सिटी कॉलोनी से 200 मीटर आगे मौजा बाकलपुर में लगभग 3500 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में सड़क पर गिट्टी डालकर कॉलोनी तैयार की जा रही थी, इस कॉलोनी के 20 अप्रैल को ध्वस्तीकरण करने के आदेश दिए गए थे। वहीं, बाकलपुर में अतुल अग्रवाल द्वारा 6000 मीटर में डाली गई सड़क- इंटरलॉकिंग को भी ध्वस्त किया गया, इस कॉलोनी का ध्वस्तीकरण आदेश भी 20 अप्रैल को जारी हुआ था, लेकिन विकासकर्ताओं ने कॉलोनी से निर्माण नहीं हटाया था। उपाध्यक्ष के निर्देश पर हुई कार्रवाई के दौरान प्राधिकरण प्रवर्तन दल और हाईवे का पुलिस बल मौजूद रहा।

उप्र ब्रज तीर्थ विकास परिषद और हार्टफुलनेस फाउंडेशन की अनुपम पहल

ब्रज ने ठाना, अब स्वच्छता का नया बहाना नहीं

सोमवार से 15 दिवसीय सघन स्वच्छता अभियान का आगाज

इसके बाद हर सप्ताह तीर्थस्थलों पर चलेगा विशेष सफाई अभियान

उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद और हार्टफुलनेस फाउंडेशन की स्वच्छता अभियान की पहल जानकारी देते उपाध्यक्ष शैलजा कांत मिश्र। साथ हैं मंडलायुक्त नगेंद्र प्रताप, डीएम सीपी सिंह, एसएसपी श्लोक कुमार, नगर आयुक्त जग प्रवेश, एडीएम वित्त-राजस्व डॉ. पंकज वर्मा आदि।

यूनिक समय, मथुरा। जिले में सोमवार से 15 दिवसीय सघन स्वच्छता अभियान शुरू होगा। अभियान का उद्देश्य मथुरा–वृंदावन सहित ब्रज के प्रमुख तीर्थस्थलों को स्वच्छ, सुंदर और प्लास्टिक–मुक्त बनाना है। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद और हार्टफुलनेस फाउंडेशन की पहल पर प्रारंभ होने वाले इस अभियान का प्रेरक नारा हम सबने यह ठाना है– ब्रज को स्वच्छ बनाना है रखा गया है।

इस संबंध में शनिवार को उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजा कांत मिश्र की अध्यक्षता में बैठक हुई, जिसमें अभियान की रूपरेखा पर चर्चा की गई। बैठक में बताया गया कि यह अभियान मथुरा शहर के साथ–साथ वृंदावन, गोवर्धन, बरसाना और ब्रज क्षेत्र के अन्य प्रमुख तीर्थस्थलों में भी चलाया जाएगा। अभियान में केंद्र- राज्य सरकार के विभिन्न विभागों, जिला प्रशासन, नगर निकायों, ग्राम पंचायतों, शैक्षणिक संस्थानों, स्वयंसेवी संगठनों और आम नागरिकों की सहभागिता तय की जाएगी। अभियान के दौरान प्लास्टिक कचरे, अन्य प्रकार की गंदगी का संग्रहण कर उसका वैज्ञानिक ढंग से निस्तारण किया जाएगा। वृंदावन, बरसाना और गोवर्धन में विशेष फोकस रखा जाएगा। ग्राम पंचायत स्तर के सफाईकर्मियों को भी अभियान से जोड़ा जाएगा, जबकि नगरीय क्षेत्रों में नगर निकायों की देख–रेख में सफाई कार्य संचालित होगा। हार्टफुलनेस फाउंडेशन के स्वयंसेवक विभिन्न स्थानों पर स्वच्छता गतिविधियों में सहभागिता करेंगे।

इसके अतिरिक्त स्कूलों, कॉलेजों तथा अन्य शैक्षणिक संस्थानों के विद्यार्थियों को भी अभियान से जोड़ा जाएगा। प्रथम चरण में यह सघन अभियान 15 दिनों तक संचालित किया जाएगा। इसके उपरांत प्रत्येक रविवार को प्रमुख तीर्थस्थलों पर नियमित स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। बैठक में मंडलायुक्त नगेंद्र प्रताप, डीएम चंद्र प्रकाश सिंह, एसएसपी श्लोक कुमार, नगर आयुक्त जग प्रवेश, एडीएम वित्त-राजस्व डॉ. पंकज वर्मा, नगर मजिस्ट्रेट अनुपम कुमार मिश्रा, उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के मुख्य कार्यपालक अधिकारी सतीश चंद्र, डिप्टी कलेक्टर सुशील कुमार, डीपीआरओ धनंजय जायसवाल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

जमीन पर सूख गए पौधे कागजों में छाई हरियाली

यूनिक समय, मथुरा। कागजों में धरा हरी- भरी हो रही है और पर्यावरण संवर रहा है, लेकिन हकीकत इसके विपरीत नजर आ रही है। पर्यावरण दिवस को रौपे गए हजारों पौधे सूख गए हैं। तरुवर बनने से ही पहले पौधों की मौत हो चुकी है। छह लाख से अधिक पौधों के लिए रोपण के दिन ही गड्ढे खोदने का काम हुआ। पौधों की मौत की वजह भी यहीं बताई जा रही है। अब जिम्मेदार दोबारा से रोपण कराने कही बात कह रहे हैं।

पांच जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर इस बार रिकॉर्ड पौधे रौपने का काम हुआ। मेढ़ से लेकर बाग- बगीचों, तालाब- सरोवर और पार्क, खेतों में पौधे रोपे गए। हरियाली का दायरा बढ़ाने के लिए इस बार यमुना किनारे भी पौधारोपण हुआ। यमुना किनारे वाले गांवों में पौधे रोपने के लिए जिलास्तरीय अधिकारी जुटाए गए। अधिकारियों ने

तरुवर बनने से पहले पौधों की हो गई हत्या हरियाली बना सपना

पर्यावरण दिवस पर पौधे रौपने को उसी दिन खोदे गए थे गड्ढे

प्रधान, सचिव और ग्रामीणों के साथ जमकर पौधे भी रौपे, लेकिन इस उत्साह के बाद किसी ने भी मौके पर जाकर रौपे गए पौधों का हाल नहीं देखा। इस दिन अधिकारियों ने जिले में 6.19 लाख पौधे रौपने का दावा भी किया।

अब यूनिक समय टीम ने यमुना के किनारे रौपे गए पौधे का मौके पर हाल देखा तो वास्तविकता सामने आई। फरह क्षेत्र केी ग्राम पंचायत गढ़ाया में यमुना किनारे एक मंदिर के समीप डीडीओ गरिमा खरे आदि ने सौ से अधिक पौधे रौपे, अब मौके पर केवल एक बेलपत्र के अलावा चार- पांच पौधे ही हरे मिले, जबकि अधिकांश पौधे सूख गए हैं, पत्तियां भी गिर चुकी है। मौके पर मिले युवकों ने बताया कि रौपे गए पौधों के लिए उसी दिन गड्ढे खोदे गए थे, नियमित पानी लगाने के बाद भी पौधे मर गए हैं। कुछ ऐसा ही हाल बल्देव ब्लाक की ग्राम पंचायत नूरपुर का सामने आया, यहां भी काफी पौधे सूख गए हैं, कुछ पौधों की केवल लकड़ी ही रह गई है। जानकारों का कहना है कि पौधों के लिए पहले से गड्ढे खोदे जाते हैं, लेकिन वन विभाग के अलावा अन्य ने पहले गड्ढे ही नहीं खोदे। इसलिए पौधे मर गए हैं।

वन विभाग के प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी वेंकटा श्रीकर पटेल का कहना है कि पौधारोपण के दौरान वर्षा के बाद गर्मी बढ़ने से पौधे सूख गए हैं, दोबारा लगवाने के लिए संबंधित विभाग से कहा जाएगा। बैठक में भी इस बात को रखा जाएगा। पूर्व से गड्ढा खोदने से भी पौधे को लाभ मिलता है।

जियो टैगिंग का भी नहीं नाम-ओ-निशान

जिले में पर्यावरण दिवस के दिन रोपे गए पौधों की जियो टैगिंग का भी कोई लेखा-जोखा नहीं है, जबकि हर साल पौधरोपण की जियो टैगिंग की व्यवस्था रहती है। इसमें पौधों के रोपने पर उनकी जियो टैगिंग की जाती है, लेकिन इस बार पौधों के रोपण के नाम पर सिर्फ खेल हुआ है, यही कारण है कि जियो टैगिंग की कोई व्यवस्था नहीं की गई।

अगले पांच दिन सताएगी भीषण गर्मी, पारा 40 पार

होलीगेट के सामने लोहे के पिलर पर लगा राष्ट्रीय तिरंगा शनिवार को तेज बयार के वजह से फट गया। इसके बाद भी तिरंगा शान से लहराता दिखा।

यूनिक समय, मथुरा। अगले पांच दिनों तक जिले में हल्के बादल तो छाए रहेंगे, लेकिन बारिश की कोई संभावना नहीं है। ऐसे में उमस भरी गर्मी के साथ गर्म बयार भी चल सकती है। मौसम के ऐसे हाल से अधिकतम तापमान भी 42 डिग्री सेल्सियस के पार जा सकता है। वैसे, शनिवार को यह तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार जाता भी दिखा।

जिले से जुड़ा मौसम का यह पूर्वानुमान भारत मौसम विज्ञान विभाग की तरफ से जारी किया गया है। 26 जून तक के लिए जारी इस पूर्वानुमान के अनुसार, अगले पांच दिनों में अधिकतम तापमान 40 से 42 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है, जो सामान्य से एक से दो डिग्री अधिक है। न्यूनतम तापमान भी 29 से 30 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा, जिससे रात के समय भी उमस और गर्मी से राहत नहीं मिलेगी। इस दौरान 16 से 22 किमी/घंटा की रफ्तार से उत्तर-पश्चिमी बयार चलेगी। बयार के झोंकों की गति सामान्य से छह से आठ किमी प्रति घंटा अधिक हो सकती है। हवा में अधिकतम आर्द्रता 45-57% और न्यूनतम 30-34% रहने की उम्मीद है।

मौसम विज्ञानी नरेंद्र कुमार के अनुसार, इस अवधि के दौरान आसमान पर बादल भी छाए रह सकते हैं, लेकिन बारिश नहीं होगी। उन्होंने सलाह दी है कि किसान तैयार हो चुकी उड़द, मूंग की फसलों की कटाई-मड़ाई कर दानों को सुरक्षित भंडारित कर लें।

वृंदावन में शाम को मौसम बदला बारिश से राहत

यूनिक समय, वृंदावन। शनिवार की सायं आसमान में छाए काले बादलों से अंधकार सा छा गया और देखते ही देखते बारिश होने से अफरा-तफरी सी मच गई। वैसे दोपहर में तेज गर्मी के कारण लोग परेशान दिखाई दिए। सायं के छह बजते ही मौसम ने ऐसा पलटा खाया कि लोगों को गर्मी से राहत मिलती दिखाई दी। आसमान में काले बादलों ने ऐसा डेरा जमाया कि आसमान में उड़ते पक्षी भी अपने घौंसलों को लौटने लगे। राह चलते लोग सुरक्षित स्थानों पर खड़े हो गए। फिर कहीं हल्की और कहीं तेज बारिश होने से अफरा तफरी सी मच गई। बाजारों में खरीदारी करने आए लोग सुरक्षित स्थानों पर पहुंच गए।

साइबर ठगों से वापस कराए खाते में पांच हजार रुपये

यूनिक समय, मथुरा। सुरीर पुलिस ने एक युवक के खाते से साइबर फ्रोड करने वाले अपराधियों द्वारा फ्राड कर निकाले गए पांच हजार रुपये उसके खाते में वापस कराए।

बताया गया कि सुरीर के गांव करहारी के रहने वाले युवक आशिफ अली के बैंक खाते से पांच हजार रुपये साइबर फ्रोड करने वाले ठगों ने निकाल लिए। पीड़ित ने अपने साथ हुई ठगी की शिकायत सुरीर पुलिस और साइबर सेल में की। पुलिस और साइबर सेल ने तुरंत प्रयास करके अपराधियों द्वारा खाते से ट्रांस्फर किए गए पांच हजार रुपये की धनराशि उसके खाते में लौटवा दी।

अधिकतम तापमान जा सकता है 42 डिग्री सेल्सियस पार

तापमान / मौसम

39 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

30 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना-चांदी भाव

सोना

24 कैरेट 1,46,010

22 कैरेट 1,33,842

(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी

2,50,000 प्रति किलो

हंसता आईना

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक-पवन गौतम

फोन नंबर-0565-2420150,

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

बिना लाइसेंस मेडिकल स्टोर पकड़ा, 1.30 लाख की दवाएं जब्त

मगोर्रा के गांव अजीत पट्टी में संचालित था दवा का स्टोर

चार दवाओं के भी भरे गए नमूने, कोर्ट में वाद होगा दायर

यूनिक समय, मथुरा। शिकायत की जांच को पहुंचे औषधि निरीक्षक को बिना लाइसेंस मेडिकल संचालित होता मिला। लाइसेंस रिन्यूवल नहीं होने पर औषधि निरीक्षक ने मेडिकल स्टोर में रखी करीब 1.30 लाख रुपये की दवाओं को जब्त कर लिया। दुकान मे मौजूद दवाओ में से चार दवाओं के भी नमूने भरकर जांच को भेजे गए हैं। अब संबंधित दुकानदार पर न्यायालय में वाद दायर कराया जाएगा।

सहायक आयुक्त खाद्य से मगोर्रा क्षेत्र के एक व्यक्ति ने शिकायत करते हुए बताया कि मेडिकल स्टोर से दी गई दवाएं उसके बीमार बच्चे पर असर नहीं कर रही हैं। दवाएं ओवरडोज होने से बच्चे की ओर तबियत खराब हो रही है। इस शिकायत पर सहायक आयुक्त खाद्य ने औषधि निरीक्षक प्रेम पाठक को जांच के लिए जाने को कहा। जांच को पहुंचे औषधि निरीक्षक को इस दौरान गांव अजीत पट्टी में संजय मेडिकोज के नाम से दवा की दुकान संचालित होती दिखी तो वह दुकान पर पहुंचे गए।

गांव अजीत पट्टी में बिना लाइसेंस संचालित मेडिकल स्टोर।

औषधि विभाग द्वारा भरे दवाओं के नमूने।

चार दवाओं के लिए नमूने

औषधि निरीक्षक ने कार्रवाई के दौरान दुकान में रखी दवाओं में से चार दवाओं के नमूने भी भरे। विभाग के अनुसार, फास्ट डीएस समेत चार दवाओं को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जा रहा है, जिससे इनकी गुणवत्ता की जानकारी मिल सके।

विभिन्न एलोपैथिक दवाओं से भरी दुकान के संचालक से लाइसेंस मांगा तो उसने प्रस्तुत कर दिया, लेकिन लाइसेंस दो साल पहले ही मृत हो चुका था, इसके बाद भी इसे रिन्यूवल नहीं कराया और मृत लाइसेंस के सहारे ही दुकान संचालित करके दवा बिक्री का काम किया जा रहा था। यह जानकारी सामने आने के बाद औषधि निरीक्षक ने दुकान में रखी करीब 1.30 लाख रुपये कीमत की सभी दवाओं को कब्जे में लेकर सील करवा दिया। अब संबंधित दुकानदार के खिलाफ न्यायालय में बिना लाइसेंस दवा दुकान संचालित करने के आरोप में वाद दायर किया जा रहा है।

गोवर्धन चौराहे पर जेसीबी से टूटी पीएनजी पाइप लाइन

भारी मात्रा में गैस के क्षेत्र में फैलने से फैली दहशत

पुलिस ने चौराहा खाली कराया, मार्ग भी किया डाइवर्ट

टोरंटो की आपदा राहत टीम ने स्थिति की कंट्रोल

यूनिक समय, मथुरा। शहर के व्यवस्तम गोवर्धन चौराहे पर बीती रात खुदाई के दौरान पीएनजी(पाइप्ड नेचुरल गैस) के तेजी से लीक होने पर लोगों में दहशत और अफर–तफरी फैल गई। पुलिस ने चौराहा और उसके आस–पास के क्षेत्र को खाली कराया। फायर ब्रिगेड और टोरंटो की राहत बचाव टीम ने काफी प्रयास के बाद स्थिति पर कंट्रोल किया। लोगों का कहना है कि गैस में आग लग जाती तो बड़ा हादसा हो सकता था।

शुक्रवार देर रात करीब साढ़े दस बजे गोवर्धन चौराहे पर पोल लगाने के लिए कुछ मजदूर जेसीबी से गड्ढे की खुदाई कर रहे थे। जहां खुदाई की जा रही थी, उसके नीचे से होकर भूमिगत टोरंटो कंपनी की पीएनजी गैस की पाईपलाइन जा रही थी। गड्ढे को खोद रही जेसीवी का लोहे का पंजा जैसे ही तेजी के साथ पाइप लाइन पर लगा। पाइप लाइन के टूट गई और तेजी के साथ पीएनजी गैस प्रेसर के साथ जमीन से आसमान की और फैलने लगी। गैस को इस तरह तेजी से निकलते देख काम करने वाले लोग वहां से भाग गए। देखते ही देखते पाइप लाइन से निकली गैस का गुबार इलाके के आसमान में छा गया। इसे देख गोवर्धन चौराहे और आस–पास के इलाके के लोगों में दहशत फैल गई।

पुलिस को भी इस बारे में बताया गया, मौके पर पहुंची पुलिस ने तुरंत फायर ब्रिगेड और टोरंटो कंपनी को गैस लीकेज की सूचना दी। फायर ब्रिगेड की गाड़ी तुंरत पहुंच गई। टोरंटो गैस कंपनी की आपदा राहत टीम मौके पर पहुंच गई। टीम और फायर ब्रिगेड ने गैस लीकेज को कंट्रोल किया। पुलिस ने खतरे को देखते हुए गोवर्धन चौराहा और आसपास के इलाके को सुरक्षा की दृष्टि से खाली कराया। इसके साथ ही इस ओर आने जाने वाले वाहनों के मार्ग को डाइवर्ट किया। प्रातः तक क्षतिग्रस्त हुई पाइप लाइन को ठीक किया गया।

बाइक सवार दो युवकों को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर

एक युवक की मौत दूसरे की हालत गंभीर

दोनों रात में ढावे पर खाना खाने जा रहे थे

यूनिक समय, मथुरा। थाना जैंत क्षेत्र स्थित देवी आटस रोड जैत कट पर बाइक सवार दो युवकों को तेज गति से दौड़ते किसी वाहन ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई, दूसरे की हालत गंभीर बताई जा रही है। दोनों दोस्त बाइक से होटल पर खाना खाने के लिए जा रहे थे।

बताया गया कि मदन मोहन घेरा मालीपाड़ा वृंदावन निवासी गोपाल (25) अपने मित्र महेश उर्फ गोलू (25)पुत्र राजू निषाद निवासी गौतमपाड़ा वृंदावन अपनी मोटरसाइकिल से देवी आटस रोड जैत कट स्थित चौधरी पंजाबी ढावा पर बीती देर रात खाना खाने के लिए जा रहे थे। जैंत कट के समीप उनकी बाइक को किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। दुर्घटना का पता लगने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने देखा कि गोपाल की मौके पर मृत्यु हो चुकी थी, दोस्त महेश उर्फ गोलू बुरी तरह से घायल था। पुलिस ने घायल को उपचार के लिए हॉस्पिटल में भर्ती कराया। गोपाल के शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गोपाल की मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

बरेली हाइवे पर बदमाशों ने आढ़ती से नोटों से भरा बैग छीना

बाइक से ओवरटेक कर तमंचे से की मारपीट

मुंह पर कपड़ा बांध थे बदमाश, लूट कर भाग गए

यूनिक समय, मथुरा। थाना रिफाइनरी क्षेत्र स्थित बरेली हाइवे पर कोयला कट के समीप मुंह पर कपड़ा बांधे बाइक सवार दो युवकों ने तमंचे के बल पर एक आढ़तिया का बैग छीन लिया। बैग में चालीस से लेकर पचास हजार रुपये बताए जा रहे हैं। पीड़ित ने रिफाइनरी पुलिस को तहरीर दी है।

बताया गया कि थाना रिफाइनरी के गांव कोयला निवासी ब्रह्मेश कुमार शर्मा राया में आढ़त का काम करते हैं। शुक्रवार की प्रातः वह गांव से बाइक से बरेली हाइवे से होकर राया के लिए जा रहे थे। कोयला कट से जैसे ही कुछ आगे निकले, पीछे से मुंह पर कपड़ा बांधकर आ रहे दो युवा बदमाशों ने उनकी बाइक को ओवरटेक कर रोक लिया और उनसे बैग छीनने लगे। ब्रह्मेश कुमार शर्मा ने बैग नहीं छोड़ तो बदमाशों ने मारपीट की और तमंचे से हमला कर उनसे बैग छीन लिया। इसके बाद बदमाश बैक लेकर भाग गए। बैग में चालीस से पचास हजार रुपये की रकम थी। पीड़ित ने थाना रिफाइनरी पुलिस को अपने साथ हुई लूट की वारदात की लिखित तहरीर दी है।

विश्व विटिलिगो दिवस पर 25 को होगा कवि सम्मेलन

कलंक से शक्ति की ओर थीम पर होंगे विविध कार्यक्रम

विशिष्ट शख्सियतों को किया जाएगा सम्मानित

यूनिक समय, मथुरा। विटिलिगो (सफेद दाग) के प्रति जागरूकता बढ़ाने, भ्रांतियों को दूर करने और प्रभावित व्यक्तियों में आत्मविश्वास को मजबूत बनाने के इरादे से 25 जून को विश्व विटिलिगो दिवस पर विशेष सम्मान और जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। विटिलिगो सपोर्ट इंडिया की ओर से कवि सम्मेलन और सम्मान समारोह से जुड़ा यह कार्यक्रम शाम पांच बजे होटल मनभावन महाविद्या कॉलोनी में होगा।

इस वर्ष विश्व विटिलिगो दिवस की थीम कलंक से शक्ति की ओर है, जिसका उद्देश्य विटिलिगो से जुड़े सामाजिक कलंक को समाप्त कर प्रभावित व्यक्तियों को सम्मान, स्वीकृति और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना है। कार्यक्रम में विटिलिगो दिवस के महत्व और उद्देश्य के अलावा जागरूकता, प्रेरणादायक व्यक्तित्वों की उपलब्धियों और समाज में सकारात्मक सोच विकसित करने पर चर्चा की जाएगी।

विटिलिगो सपोर्ट इंडिया के सचिव डॉ. कपिल बंसल भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी देंगे। विटिलिगो से प्रभावित लोगों का सम्मान भी किया जाएगा। कवि सम्मेलन में साहित्यकार वंदना चौधरी, डॉ. सलीम अहमद 'एटवी' और डॉ. उदयवीर सिंह, संजय कुमार एडवोकेट आगरा, राकेश शर्मा दद्दू आगरा रचना प्रस्तुत करेंगे। आपबीती सत्र में विटिलिगो से प्रभावित व्यक्तियों के संघर्ष, साहस, आत्मविश्वास और सफलता की कहानियां साझा की जाएंगी। संस्था के संस्थापक-अध्यक्ष रविन्द्र जायसवाल ने नागरिकों, सामाजिक संगठनों, शिक्षाविदों, चिकित्सकों, और जागरूक नागरिकों से कार्यक्रम में सहभागिता कर इस सामाजिक अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं
योग स्वस्थ रहने औरमन को
तनावमुक्त रखने के लिएआवश्यक है।

अंतर्राष्ट्रीय
योग दिवस
International Day of Yoga
21 June
योग अपनाएं — स्वस्थ, संतुलित और खुशहाल जीवन पाएं
21 जून | अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस
स्वस्थ तन • शांत मन • सशक्त भारत

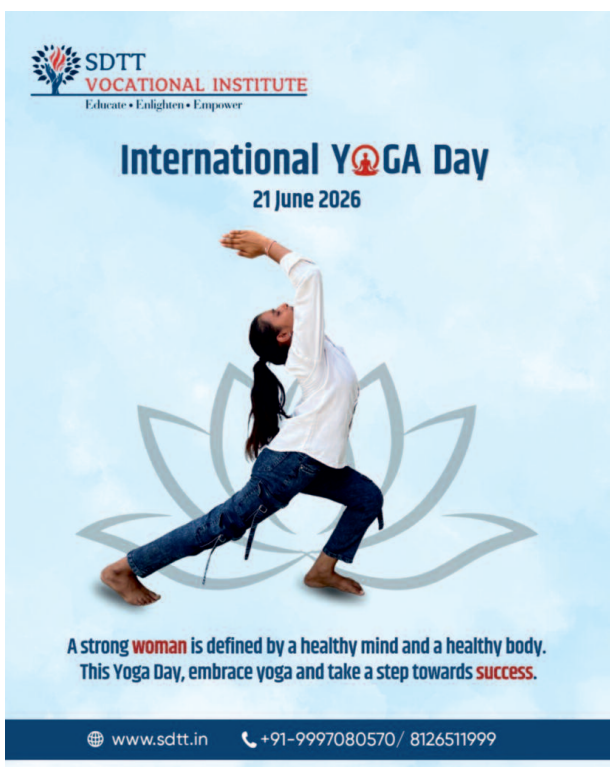
SDTT
VOCATIONAL INSTITUTE
Educate • Enlighten • Empower
International YOGA Day
21 June 2026
A strong woman is defined by a healthy mind and a healthy body.
This Yoga Day, embrace yoga and take a step towards success.
www.sdtt.in
+91-9997080570/ 8126511999

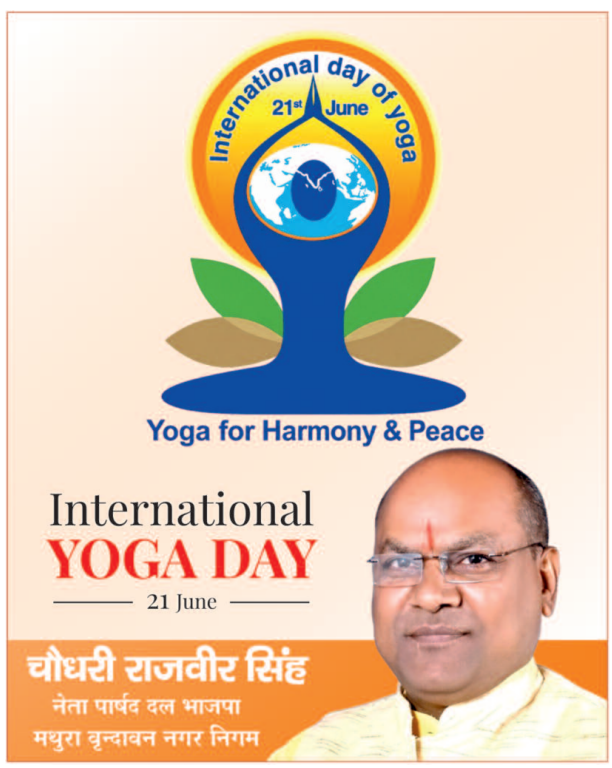
International day of yoga
21st June
Yoga for Harmony & Peace
International
YOGA DAY
21 June
चौधरी राजवीर सिंह
नेता पार्षद दल भाजपा
मथुरा वृन्दावन नगर निगम

Maya Tour and Travels
Believe in Service
Desire, Etios, Baleno, Ciaz, Innova Crysta
AC Bus, All India Taxi Available
International
YOGA DAY
21 June
GOVT. CONTRACTOR
Reg. Off.: 166/144, parikrama Marg, Braj Nagar, Mathura
Office: 130, Vikash Bazar, Mathura
MANAGING DIRECTOR
Anuj Agrawal
anuj.agrawal7588@gmail.com
9897138727 9897011103

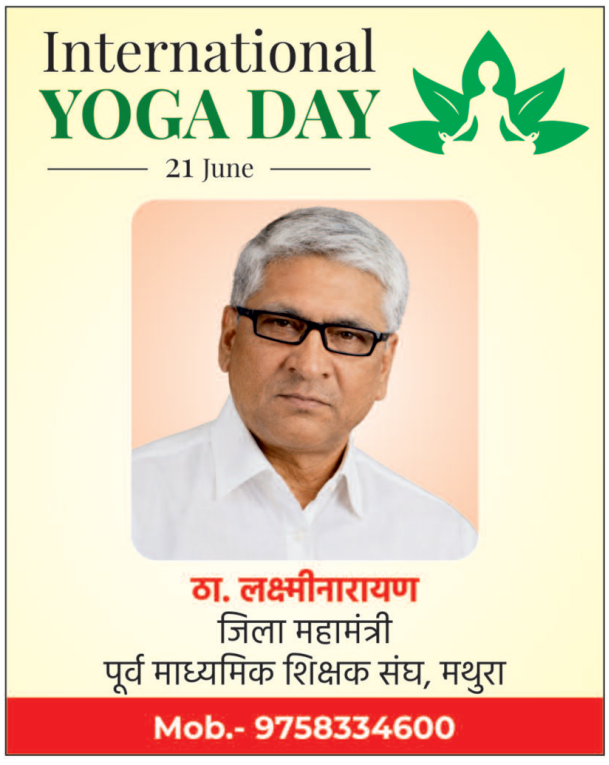
International
YOGA DAY
21 June
ठा. लक्ष्मीनारायण
जिला महामंत्री
पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ, मथुरा
Mob.- 9758334600

International YOGA DAY
21 June
HOTEL KMB
KMB BULDERS & DEVELOPERS
ASHOK GARDEN GOVARDHAN
ममता बिंदल

राधारानी
शुद्ध देसी घी से निर्मित मिठाई एवं नमकीन विक्रेता
HAPPY
Father's Day
21 JUNE 2026
श्री राधारानी रसगुल्ला भण्डार
मसानी तिराहा, वृन्दावन रोड, मथुरा-281003 फोन : 0565-2530225

ओ३म्
करो योग
रहो निरोग
योग दिवस
की शुभकामनाएं
डॉ. अमर सिंह पौनियां
वृजक्षेत्र उपाध्यक्ष - भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा
जिला प्रभारी - भारत स्वाभिमान ट्रस्ट, मथुरा
डॉ. बीना पौनियां
M.Sc., B.ed.
के.के पौनियां क्लीनिक
नन्दगाँव रोड, कोसीकलाँ - Mob. 9219699850

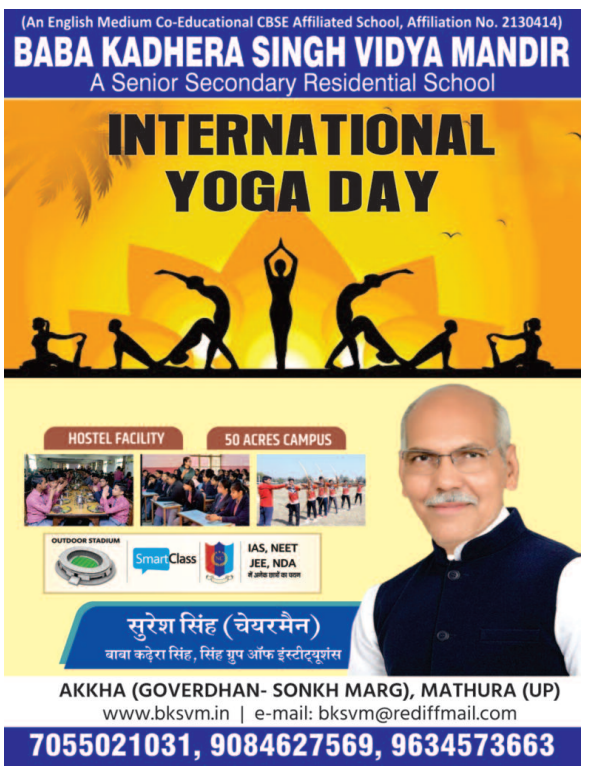
(An English Medium Co-Educational CBSE Affiliated School, Affiliation No. 2130414)
BABA KADHERA SINGH VIDYA MANDIR
A Senior Secondary Residential School
INTERNATIONAL
YOGA DAY
HOSTEL FACILITY
50 ACRES CAMPUS
OUTDOOR STADIUM
SmartClass
IAS, NEET
JEE, NDA
सुरेश सिंह (चेयरमैन)
बाबा कढ़ेरा सिंह, सिंह ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस
AKKHA (GOVERDHAN- SONKH MARG), MATHURA (UP)
www.bksvm.in | e-mail: bksvm@rediffmail.com
7055021031, 9084627569, 9634573663

एस. एम. योग अनुसंधान संस्थान
आयुर्वेद एवं प्राकृतिक चिकित्सालय
योग दिवस
की शुभकामनाएं
कमर दर्द, घुटने की समस्या, पीठ दर्द, सायटिका हड्डी और मांसपेशियों के दर्द, गठिया, सर्वाइकल, माइग्रेन, चयापचय विकार उपचार, चर्म रोग चिकित्सा हृदय संबंधी समस्याएं, पुरुष प्रजनन रोग, शुगर एवं ब्लड प्रेशर, नेत्र रोग, मोटापा नियंत्रण, लिकोरिया, तंत्रिका संबंधी, मनोदैहिक रोग, गुप्त रोग, नस रोग, बबासीर, लकवा, पथरी, मानसिक अनियमितता, स्त्री रोग समस्याएं, फैटी लिवर, आहार चिकित्सा, हड्डी ओर मांसपेशियों के दर्द का इलाज, त्वचा और बालों का प्रा तिक पद्धति से उपचार, गुर्दे एवं मूत्र पथ की समस्याएं, थायरॉयड समस्याएं
•योग प्रशिक्षण •आयुर्वेद •पंचकर्म
•नाड़ी परीक्षण •फिजियोथेरैपी •एक्यूप्रेशर
• प्राकृतिक चिकित्सा
योग गुरु व प्राकृतिक चिकित्सक
डॉ. बालमुकुंद शास्त्री
मोरकुटी के बगल में, परिक्रमार्ग, वृन्दावन
8077680373

जीएलए में रिकॉर्ड प्लेसमेंट, 312 छात्र कैपजेमिनी में चयनित

यूनिक समय, मथुरा। जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा ने एक बार फिर शैक्षणिक उत्कृष्टता और अपने मजबूत प्लेसमेंट रिकॉर्ड का प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए नया कीर्तिमान स्थापित किया है। शैक्षणिक सत्र 2025–26 में विश्वविद्यालय के बीटेक (कंप्यूटर साइंस) और एमसीए के 312 छात्रों का चयन प्रतिष्ठित कंपनी कैपजेमिनी में 5.50 लाख रुपये वार्षिक पैकेज पर हुआ है। इतनी बड़ी संख्या में हुआ चयन न केवल विश्वविद्यालय के लिए गौरव का विषय है, बल्कि यह दर्शाता है कि जीएलए के छात्र देश–विदेश की अग्रणी कंपनियों की पहली पसंद बनते जा रहे हैं।

इस उपलब्धि के पीछे छात्रों की कड़ी मेहनत, संकाय का मार्गदर्शन और विश्वविद्यालय की उद्योग उन्मुख शिक्षण प्रणाली की अहम भूमिका रही है। चयन प्रक्रिया के दौरान छात्रों को कई कठिन चरणों लिखित परीक्षा, तकनीकी मूल्यांकन, समूह चर्चा- मौखिक साक्षात्कार से गुजरना पड़ा, जिसमें उन्होंने अपनी प्रतिभा और कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सफलता हासिल की।

यदि पिछले वर्षों के प्लेसमेंट आंकड़ों पर नजर डाली जाए तो जीएलए का ग्राफ लगातार ऊंचाई की ओर बढ़ता दिखाई देता है। वर्ष 2022 में 186 छात्रों का चयन हुआ था, जो 2023 में बढ़कर 228 हो गया। वर्ष 2024 में यह संख्या 170 रही, जबकि 2025 में 278 छात्रों का चयन हुआ और अब 2025–26 सत्र में यह आंकड़ा 312 तक पहुंच गया है। यह स्पष्ट संकेत है कि विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता, प्रशिक्षण पद्धति और कॉर्पोरेट कनेक्ट लगातार मजबूत हो रहा है, जिससे विद्यार्थियों को अधिक से अधिक अवसर प्राप्त हो रहे हैं। कैपजेमिनी और जीएलए विश्वविद्यालय के बीच वर्षों पुराना सशक्त संबंध रहा है। कंपनी हर वर्ष कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से बड़ी संख्या में छात्रों को रोजगार प्रदान करती है। छात्रों को उद्योग के अनुरूप तैयार करने के उद्देश्य से कंपनी ने विश्वविद्यालय परिसर में ही कोड एक्सपीरियेंस सेंटर (सीईसी) लैब स्थापित की है। इस लैब के माध्यम से चयनित विद्यार्थियों को ब्रिज लैब में विशेष प्रशिक्षण दिया जाता है, जहां वे वास्तविक प्रोजेक्ट्स पर कार्य कर अपने तकनीकी कौशल को और अधिक परिष्कृत करते हैं। इससे छात्रों को नौकरी शुरू करने से पहले ही उद्योग का व्यावहारिक अनुभव मिल जाता है। चयनित छात्र शिवम राय और शिवा गौतम ने संयुक्त रूप से कहा कि विश्वविद्यालय में मिले प्रशिक्षण, मॉक इंटरव्यू और फैकल्टी के मार्गदर्शन ने हमें पूरी तरह तैयार किया। कई चरणों की चयन प्रक्रिया पार करना चुनौतीपूर्ण था, लेकिन यहां के वातावरण ने हमें आत्मविश्वास दिया। सीईसी लैब और ब्रिज ट्रेनिंग के कारण हमें इंडस्ट्री का वास्तविक अनुभव मिला, जिससे इंटरव्यू में काफी मदद मिली और हम सफलता हासिल कर सके। उन्होंने आगे कहा कि विश्वविद्यालय में स्थापित अत्याधुनिक लैब, अनुभवी संकाय और उद्योग से मजबूत जुड़ाव ही जीएलए को अन्य संस्थानों से अलग पहचान दिलाते हैं। यही कारण है कि बड़ी कंपनियां यहां के छात्रों पर भरोसा जताती हैं और हर वर्ष अधिक संख्या में चयन करती हैं। जीएलए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति नारायण दास अग्रवाल ने कहा कि हमारा उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल शैक्षणिक ज्ञान देना नहीं, बल्कि उन्हें उद्योग के लिए पूरी तरह तैयार करना है। लगातार बढ़ता प्लेसमेंट ग्राफ इस बात का प्रमाण है कि विश्वविद्यालय सही दिशा में कार्य कर रहा है। आने वाले वर्षों में हम और बेहतर परिणाम देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि जीएलए ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट विभाग के साथ–साथ ट्रेनिंग एंड डेवलपमेंट और संबंधित विभागों के शिक्षकों के समर्पित प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि जहां ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट विभाग प्रतिष्ठित कंपनियों को कैंपस तक लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, वहीं ट्रेनिंग एंड डेवलपमेंट और शैक्षणिक विभागों के शिक्षक विद्यार्थियों को इंडस्ट्री के अनुरूप तैयार करते हैं। इन सभी के समन्वित प्रयास ही इस बड़ी सफलता के मूल आधार हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि भविष्य में भी इसी प्रकार के संयुक्त प्रयासों से विश्वविद्यालय और भी बड़े प्लेसमेंट रिकॉर्ड स्थापित करेगा।

किसान की बेटी विनीता चौधरी बनीं चार्टर्ड अकाउंटेंट,क्षेत्र में खुशी

यूनिक समय, बाजना। सामंता गढ़ी निवासी और वर्तमान में कस्बा के दाऊजी नगर में रह रहे हरप्रसाद चौधरी की बेटी विनीता चौधरी ने अपनी कड़ी मेहनत और लगन से पूरे क्षेत्र का मान बढ़ाया है। विनीता ने कठिन मानी जाने वाली चार्टर्ड अकाउंटेंट की परीक्षा उत्तीर्ण कर अपने माता–पिता और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। एक सामान्य किसान परिवार से संबंध रखने वाली विनीता की इस उपलब्धि ने साबित कर दिया है कि यदि हौसले बुलंद हों, तो विपरीत परिस्थितियां भी सफलता की राह नहीं रोक सकतीं। उनकी इस कामयाबी से उनके परिवार में जश्न का माहौल है। विनीता के सीए बनने की खबर मिलते ही क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों में खुशी की लहर दौड़ गई। सभासद गौरव, देवीराम, रामावतार सिंह गुड्डे, लोकेंद्र वर्मा, सतीश चंद, राजेश पाठक, संदीप गोयल, धीरज प्रधान, मनोज प्रधान, शिवम सूर्यवंशी,और अनुज अग्रवाल सहित कई लोगों ने विनीता को बधाई दी। शुभचिंतकों ने कहा कि विनीता की यह सफलता न केवल उनके परिवार के लिए, बल्कि क्षेत्र की अन्य बेटियों के लिए भी प्रेरणा का स्त्रोत है। लोगों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। विनीता ने अपनी सफलता का श्रेय माता–पिता के आशीर्वाद और निरंतर स्वाध्याय को दिया है।

वृंदावन को मिलेगी जाम से राहत, ई–रिक्शा के रूट तय

यूनिक समय, वृंदावन। यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने और वृंदावन को जाम की समस्या से राहत दिलाने के लिए पुलिस प्रशासन ने ई–रिक्शा, ऑटो और टेंपो के लिए निर्धारित रूट लागू कर दिए हैं। अब सभी वाहन केवल आवंटित मार्गों पर ही संचालित होंगे। उल्लंघन करने पर पर 20 हजार रुपये तक का जुर्माना लगाया जाएगा। रूट वी–एक छटीकरा, वैष्णो देवी मंदिर, प्रियाकांत जू मंदिर होते हुए मल्टीलेवल पार्किंग तक रहेगा। रूट वी–दो मल्टीलेवल पार्किंग से नंदनवन कट, सुनरख तिराहा, रसियन बिल्डिंग होते हुए कालीदह तक जाएगा। वी–दो(अ) मल्टीलेवल पार्किंग से सुनरख तिराहा, छह शिखर तिराहा होते हुए गरुड़ गोविंद मंदिर तक रहेगा। वी–तीन नंदनवन कट से हरिनिकुंज क्रॉसिंग, वी–चार सौ सैया तिराहा से सौ फुटा तिराहा, अटल्ला चुंगी होते हुए कात्यायनी मंदिर तक, वी–पांच सौ शैया तिराहा से पापड़ी चौराहा तक निर्धारित किया गया है। वहीं वी–छह वीआईपी पार्किंग से जुगलघाट होते हुए चीरघाट और वी–सात दारुक पार्किंग से पानीघाट, वृंदावन कट होते हुए मांट तक संचालित होगा। प्रशासन ने सभी वाहनों पर कलर कोडिंग और क्यूआर कोड स्टिकर अनिवार्य कर दिया है। निर्धारित रूट से बाहर वाहन चलाने पर रूट आवंटन निरस्त किया जाएगा। क्षमता से अधिक सवारी बैठाना भी प्रतिबंधित रहेगा। नियमों के उल्लंघन पर मोटर वाहन अधिनियम के तहत 20 हजार रुपये तक जुर्माना लगाया जा सकता है। त्योहारों और विशेष अवसरों पर यातायात मार्गों में बदलाव भी किया जा सकेगा।

शिक्षा क्षेत्र मे सहयोग निभाएगा परिवर्तन फाउंडेशन

यूनिक समय, मथुरा। परिवर्तन फाउंडेशन की प्रथम सामान्य सभा एक स्थानीय होटल में हुई। बैठक में फाउंडेशन के सदस्यों ने संस्था की भावी योजनाओं और सामाजिक दायित्वों पर चर्चा की।

बैठक में निर्णय हुआ कि जरूरतमंद और आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को शिक्षा से वंचित न होने देने के उद्देश्य से उन्हें पुस्तकों और फीस के माध्यम से सहयोग किया जाएगा। एक विद्यालय को गोद लेकर उसे परिवर्तन स्कूल के रूप में विकसित किया जाएगा, ताकि उसे एक आदर्श मॉडल स्कूल के रूप में स्थापित किया जा सके। परिवर्तन बुक बैंक की स्थापना का करके जरूरतमंद विद्यार्थियों को पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी, जरूरतमंद छात्रों को देने के लिए परिवर्तन ब्रांडिंग की नोटबुक्स का भी विमोचन किया गया। फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने कहा कि परिवर्तन फाउंडेशन का उद्देश्य केवल सहायता प्रदान करना नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज में स्थायी-सकारात्मक परिवर्तन लाना है।

इस अवसर पर नमित मित्तल, गौरव अग्रवाल, रुचिर गोयल, आशीष गर्ग, उदित गोयल, मोहित गर्ग, सुमित अग्रवाल, विवेक मित्तल, धनेश अग्रवाल, शिखर अग्रवाल, राहुल अग्रवाल, रवि अग्रवाल, अंकित अग्रवाल, तरुण गुप्ता औरविकास शोरवाला सहित अन्य सदस्यों ने भी अपने विचार रखे और फाउंडेशन की आगामी योजनाओं में पूर्ण सहयोग का आश्वासन देकर शिक्षा से परिवर्तन का संकल्प लिया।

केडी हॉस्पिटल में अत्याधुनिक 32–चैनल ईईजी मशीन का शुभारंभ

मिर्गी और मस्तिष्क रोगों के सटीक और शीघ्र निदान में मिलेगी मदद

32–चैनल ईईजी (इलेक्ट्रोएन्सेफैलोग्राफी) मशीन की उपयोगिता बताती जनरल मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ. मंजू पांडेय साथ में डॉ. बी. गोस्वामी, टेक्नीशियन।

यूनिक समय, मथुरा। केडी मेडिकल कॉलेज–हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर अपनी चिकित्सा सुविधाओं में लगातार इजाफा कर रहा है। इसी कड़ी में हॉस्पिटल के न्यूरोलॉजी विभाग में अत्याधुनिक 32–चैनल ईईजी (इलेक्ट्रोएन्सेफैलोग्राफी) मशीन का शुभारंभ किया गया। यह उन्नत तकनीक मस्तिष्क की विद्युत गतिविधियों का अत्यंत सूक्ष्म स्तर पर अध्ययन करने में सक्षम है, जिससे मिर्गी सहित विभिन्न न्यूरोलॉजिकल रोगों का अधिक सटीक- शीघ्र निदान संभव हो सकेगा।

जनरल मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ. मंजू पांडेय ने बताया कि सामान्यतः अधिकांश अस्पतालों में 16–चैनल ईईजी मशीनें उपलब्ध होती हैं, लेकिन केडी हॉस्पिटल में 32–चैनल ईईजी मशीन का संचालन शुरू कर दिया गया है। यह मशीन मस्तिष्क की गतिविधियों को दोगुनी क्षमता के साथ रिकॉर्ड करती है। इससे मस्तिष्क के प्रभावित हिस्सों की पहचान अधिक सटीकता से की जा सकेगी, जटिल मामलों के निदान में भी महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी।

डॉ. पांडेय ने बताया कि कई बार मिर्गी के दौरे बहुत सूक्ष्म रूप में दिखाई देते हैं, जैसे केवल आंख झपकना, नींद के दौरान असामान्य गतिविधियां होना या शरीर के किसी एक हिस्से में बार–बार हलचल होना।

ऐसे मामलों में मरीज और परिजन बीमारी को समझ नहीं पाते, जबकि यह स्थिति मस्तिष्क पर गंभीर प्रभाव डाल सकती है। नई ईईजी तकनीक ऐसे छिपे हुए दौरों की पहचान करने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

विभागाध्यक्ष डॉ. पांडेय ने समाज में व्याप्त भ्रांतियों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आज भी कई लोग मिर्गी को भूत–प्रेत या अंधविश्वास से जोड़ते हैं, जबकि यह एक चिकित्सकीय समस्या है, जिसका वैज्ञानिक जांच और उचित उपचार उपलब्ध है। समय पर जांच और उपचार से मरीज सामान्य एवं स्वस्थ जीवन जी सकता है।

डॉ. बी. गोस्वामी (डीएम न्यूरोलॉजी) ने बताया कि केडी मेडिकल कॉलेज–हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर पूरे मथुरा जनपद का एकमात्र संस्थान है, जहां 32–चैनल ईईजी, आईसीयू ईईजी मॉनिटरिंग, स्लीप लैब स्टडी जैसी अत्याधुनिक न्यूरोलॉजिकल जांच सुविधाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध हैं।

इन जांचों के माध्यम से मिर्गी, बेहोशी, बार–बार आने वाले दौरे, नींद संबंधी विकारों, स्लीप एपनिया तथा अन्य जटिल मस्तिष्क एवं तंत्रिका तंत्र की बीमारियों का सटीक निदान किया जाता है।

डॉ. गोस्वामी ने कहा कि संस्थान के चेयरमैन मनोज अग्रवाल के प्रयासों से हॉस्पिटल में आधुनिक तकनीक और अनुभवी विशेषज्ञों के संयोजन से मरीजों को उच्चस्तरीय न्यूरोलॉजिकल सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। विशेष बात यह है कि ये सभी जांच सुविधाएं मरीजों को अत्यंत किफायती दरों पर उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे क्षेत्र के अधिक से अधिक मरीज आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठा सकें। टेक्नीशियन सचिन सिन्हा ने 32–चैनल ईईजी मशीन के संचालन की जानकारी दी। के.डी. हॉस्पिटल प्रबंधन ने क्षेत्रवासियों से मिर्गी, बार–बार बेहोशी, नींद संबंधी समस्याओं अथवा अन्य न्यूरोलॉजिकल लक्षणों को नजरअंदाज न करने की सलाह देते हुए विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श लेकर आधुनिक जांच सुविधाओं का लाभ उठाने का आह्वान किया है।

यमुना में स्नान के दौरान युवक डूबा, तलाश जारी

यूनिक समय, वृंदावन। शनिवार को यमुना में स्नान करते समय एक युवक के गहरे पानी में चले जाने से डूबने की आशंका है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और जांच–पड़ताल शुरू की। स्थानीय लोगों ने बताया कि एक युवक यमुना में स्नान कर रहा था, तभी वह अचानक गहरे पानी में चला गया और देखते ही देखते नदी में लापता हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया, जहां से एक बैग बरामद हुआ। बैग में मिले दस्तावेजों के आधार पर युवक का नाम सुमित (28 वर्ष) निवासी मकान संख्या सी–40, ओम बिहार, सेक्टर–28ए, पालम एक्सटेंशन, गुरुग्राम हरियाणा के रूप में हुई है। बैग से युवक का आधार कार्ड, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस और कुछ कपड़े भी बरामद हुए हैं। पुलिस द्वारा गोताखोरों की सहायता से युवक की तलाश कराई जा रही है। समाचार लिखे जाने तक युवक का कोई पता नहीं चल सका था।

राहुल गांधी का जन्म दिवस मनाया गया

यूनिक समय, वृंदावन। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का जन्मदिवस चुंगी चौराहे पर केक काटकर मनाया गया। बच्चों को आइसक्रीम, फल औरअन्य खाद्य सामग्री वितरित कर जनसेवा का संदेश दिया। वृंदावन देहात मंडल अध्यक्ष चंद्रमोहन जायसवाल, वृंदावन मंडल अध्यक्ष चंद्रमोहन शर्मा, सोशल आउटरीच विभाग के अध्यक्ष दीपक पराशर, व्यापार मंडल अध्यक्ष दीपक वार्ष्णेय, दीपक गोस्वामी, कुलदीप गौतम, सोहन सिंह सिसोदिया, महेश गौतम, संग्राम सिंह, सुशील गौतम, श्यामलाल शर्मा, रामबाबू शर्मा (टेंट वाले), शुभम शर्मा, सुमित आचार्य, लंबा चौधरी, आमिर उस्मानी, केशव प्रसाद, मुन्ना टेलर, व्यास शर्मा, प्रथम वार्ष्णेय, अश्विनी शर्मा, नारायण , बाबूलाल शर्मा और पवन शर्मा आदि उपस्थित थे।

योग दिवस कल, घाट से स्टेडियम तक होंगे आसन

प्रमुख स्थलों पर होंगे योग कार्यक्रम,स्वास्थ्य जागरूकता का दिया जाएगा संदेश

यूनिक समय, मथुरा। कल रविवार को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर जनपदभर में सामूहिक योग कार्यक्रम आयोजित होंगे। यमुना घाट से स्टेडियम तक योग से जुड़ी क्रियाएं और आसन किए जाएंगे। जिला प्रशासन, आयुष विभाग, शिक्षा विभाग, नगर निकायों और सामाजिक संगठनों की ओर से इसके लिए व्यापक तैयारियां की गई हैं। कार्यक्रमों का उद्देश्य लोगों को योग के प्रति जागरूक करना और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है। मुख्य जिला स्तरीय कार्यक्रम स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा, जहां जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, विद्यार्थी, शिक्षक, सामाजिक संगठन और बड़ी संख्या में नागरिक भाग लेंगे। इसके अलावा वृंदावन, गोवर्धन, बरसाना, बलदेव, छाता, मांट, फरह, नौहझील और महावन क्षेत्र में भी सामूहिक योग शिविर लगाए जाएंगे।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि क्षेत्र के आसपास, विभिन्न पार्कों, विद्यालय परिसरों, कॉलेजों, मैदानों में भी योगाभ्यास कराया जाएगा। वृंदावन में कई धार्मिक- सामाजिक संस्थाओं द्वारा विशेष योग सत्र आयोजित किए जाएंगे, जहां देश–विदेश से आए श्रद्धालु भी

वृंदावन स्थित गांधी पार्क में स्थापित योग करते प्रतीकात्मक तौर पर लगाई प्रतिमा, जो लोगों का ध्यान आकर्षित कर रही है।

योग केवल व्यायाम नहीं, आत्मा का परमात्मा से मिलन का मार्ग

यूनिक समय, मथुरा। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर संस्कार जागृति मिशन की अध्यक्ष- सनातन धर्म की वरिष्ठ प्रचारिका प्रोफेसर डॉ. अर्चना प्रिय आर्य ने योग के गूढ़ अर्थ को स्पष्ट किया। कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि आत्मा का परमात्मा से मिलन का एक अत्यंत सूक्ष्म और आध्यात्मिक विज्ञान है।

योग की व्याख्या करते हुए उन्होंने बताया कि संस्कृत की 'युज' धातु से बना 'योग' शब्द मुख्य रूप से दो संदेश देता है–पहला 'जुड़ना' और दूसरा 'समाधि'। जब तक मनुष्य स्वयं के अंतर्मन से नहीं जुड़ता, तब तक समाधि की अवस्था प्राप्त करना असंभव है। योग का मूल उद्देश्य मन और शरीर के बीच सामंजस्य स्थापित करना है, जो ईश्वर के ज्ञान और दर्शन प्राप्ति का एक सधा हुआ मार्ग है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि योग केवल एक क्रिया नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक पद्धति है। इसे आत्मबोध, आत्म–अनुशासन और आत्म–साक्षात्कार का माध्यम बताते हुए उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति दृढ़ संकल्प, उत्साह, प्रेम, श्रद्धा और संयम के साथ इस मार्ग का अनुसरण करता है, वही सच्चा 'योगी' है।

योग दिवस पर प्रतिभाओं के सामने लोग करेंगे योग

यूनिक समय, वृंदावन। 21 जून का दिन योग दिवस के रुप में मनाया जाएगा। चुंगी चौराहा स्थित गांधी पार्क में योग करते प्रतीकात्मक मूर्तियां लोगों के लिए आकर्षक का केंद्र बनती हैं। यहां विभिन्न मुद्राओं में योग करते लोगों की प्रतिभाएं प्रदर्शित हैं। इनको देखकर लोग हर सुबह योग करते नजर आते हैं। 21 जून का दिन भी गांधी पार्क में आने वालों के लिए प्रमुख केंद्र होगा।

हिस्सा लेंगे। गोवर्धन और बरसाना जैसे धार्मिक स्थलों पर भी योग के माध्यम से स्वास्थ्य और आध्यात्मिकता का संदेश दिया जाएगा।

आयुष विभाग के प्रशिक्षित योग प्रशिक्षक प्रतिभागियों को प्राणायाम, सूर्य नमस्कार और विभिन्न योगासन करवाएंगे। योग के नियमित अभ्यास से होने वाले लाभों की जानकारी भी दी जाएगी। स्कूलों और कॉलेजों के विद्यार्थियों की भागीदारी को लेकर विशेष व्यवस्था की गई है।

जिला प्रशासन ने सभी प्रतिभागियों से निर्धारित समय से पहले कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने की अपील की है। साथ ही मौसम को देखते हुए पानी की बोतल, योगा मैट और हल्के वस्त्र साथ लाने की सलाह दी गई है। घरों में योग करने की तैयारी है।

ठाकुर राधा दामोदर मंदिर में मनाया गया जमाई षष्ठी उत्सव

बंगाली दूल्हे के रूप में सजे ठाकुर जी

यूनिक समय, वृंदावन । प्रमुख ठाकुर राधा दामोदर मंदिर में जमाई षष्ठी का पावन उत्सव धूमधाम के साथ मना। मंदिर में ठाकुर जी का दिव्य और अलौकिक शृंगार किया गया, जिसे देख श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। उत्सव के दौरान ठाकुर राधा दामोदर लाल को पारंपरिक बंगाली दूल्हे की मनमोहक वेशभूषा धारण कराई गई। ठाकुर जी ने बंगाली शैली में धोती–कुर्ता और सिर पर पारंपरिक बंगाली पगड़ी (टोपोर) पहनकर भक्तों को दर्शन दिए। मंदिर के सेवायत आचार्य कृष्ण बलराम गोस्वामी ने बताया कि जमाई षष्ठी का पर्व मुख्य रूप से गौड़ीय वैष्णव संप्रदाय और बंगाली संस्कृति में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रखता है। इस दिन दामाद (जमाई) के स्वागत और सत्कार की परंपरा है। इसी भाव को आत्मसात करते हुए मंदिर में ठाकुर जी

राधा दामोदर मंदिल में जमाई षष्ठी उत्सव में किए गए विशेष श्रंगार के दर्शन।

को दामाद के रूप में पूजा जाता है।

आचार्य करुण गोस्वामी महाराज ने बताया कि यह दामाद के कल्याण, उनकी लंबी उम्र और सास–दामाद के बीच के पारिवारिक संबंधों को मजबूत करने के लिए समर्पित है।

सेवायत आचार्य पूर्ण चंद्र गोस्वामी महाराज ने बताया कि जमाई षष्ठी के इस पावन मौके पर ठाकुर जी के समक्ष विशेष छप्पन भोग का अर्पण किया गया।

चैतन्य बिहार कालोनी के लोगों ने समस्याओं को लेकर दिया धरना

चैतन्य बिहार कालोनी के लोगों की समस्या सुनते उप सभापति मुकेश सारस्वत के साथ नगर निगम के अधिकारी।

यूनिक समय, वृंदावन। चैतन्य विहार आवासीय विकास समिति के बैनर तले चैतन्य बिहार कालोनी की समस्याओं को लेकर प्रदर्शन किया। बीएस धाम, चैतन्य विहार द्वितीय खंड में दिए धरना स्थल पर समिति के अध्यक्ष प्रदीप बनर्जी ने लोगों को संबोधित किया। बताया कि चैतन्य विहार द्वितीय खंड मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण द्वारा विकसित आवासीय पॉश कॉलोनी है। यहां के लोग अनेक समस्याओं से जूझ रहे हैं।

धरना स्थल पर मथुरा वृंदावन नगर निगम के उपसभापति मुकेश सारस्वत ने क्षेत्र वासियों को संबोधित करते हुए कहा कि चैतन्य बिहार की समस्या काफी समय से है, उनकी समस्याओं का तुरंत निदान किया जाए। अपर नगर आयुक्त चंद्र प्रकाश पाठक ने

नगर निगम के उपसभापति अधिकारी पहुंचे

समस्याओं के समाधान का दिया आश्वासन

अधिकारियों को धरना स्थल पर समस्या समाधान के निर्देश दिए। इस मौके पर

सेक्टर तीन के पंकज यादव, गौरव शर्मा, सेक्टर दो के मनोज गौतम, शौभा वर्मा, श्रीकांत शर्मा, नीरज शास्त्री आदि ने समस्याओं का उल्लेख किया।

इस अवसर पर सहायक नगर आयुक्त अनुज कौशिक, जीएम जलकल, जेडएसओ महेश वर्मा,जे ई अभिमन्यु मौर्य, पीयूष शुक्ला, गंगाराम शर्मा,विनोद जोशी, मदन गोपाल शर्मा, विवेक शर्मा आदि उपस्थित थे।

कैंटीन संचालक सहित अन्य के खिलाफ कराई रिपोर्ट

यूनिक समय,चौमुहां। चौमुहां की एक महिला ने पति के साथ मारपीट कर गंभीर घायल करने के आरोप में चार नामजद और दो अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ थाना जैत में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

महिला गीता ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि पति विक्रम सिंह एक कैंटीन पर काम करता था। कुछ समय पहले कैंटीन का काम छोड़ने के बाद आरोपियों ने उस पर चोरी का झूठा आरोप लगाया, जिसके चलते दोनों पक्षों के बीच रंजिश चल रही थी। आरोप है कि 17 जून की सुबह करीब

नौकरी छोड़ने पर लगाया था चोरी का आरोप

सात बजे आरोपी विश्वनाथ, रतन सिंह और दो अज्ञात व्यक्ति उसके घर पहुंचे और गाली–गलौज करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने पति के साथ मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान विश्वनाथ ने डंडे से हमला कर पति का सिर फोड़ दिया, जिससे वह गंभीर घायल होकर बेहोश हो गया। हमलावर जान से मारने की धमकी देकर चले गए। पुलिस ने महिला की तहरीर पर जांच शुरू कर दी है।

ट्राली को ट्रक ने मारी टक्कर, दो की मौत

यूनिक समय, छाता। शनिवार को क्षेत्र अंतर्गत नरी सेमरी फ्लाईओवर पर हुए सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई।

वृंदावन से ईंट खाली कर ट्रैक्टर-ट्रॉली वापस छाता लौट रहे थी। हाइवे पर नरी सेमरी के पास ट्रैक्टर ट्रॉली को तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी, जिससे ट्रैक्टर- ट्राली पलट गई और दो लोग गंभीर घायल हो गए। घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से नजदीक के अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से स्थिति को गंभीर देखते हुए घायलों को एसएन आगरा के लिए रेफर किया गया। आगरा में उपचार के दौरान विष्णु पुत्र भगवत और अंसार पुत्र फफरुद्दीन निवासीगण विशंभरा थाना शेरगढ़ की मौत हो गई। थाना प्रभारी उमेश चंद्र त्रिपाठी ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस घटना स्थल पर पहुंची और ट्रक को कब्जे में ले लिया, जबकि चालक फरार हो गया।

अंतर्राष्ट्रीय संस्था में विजय शर्मा बने 'कल्चर अफेयर एडवाईजर'

यूनिक समय, वृंदावन । संयुक्त राष्ट्र से जुड़ी अंतर–सरकारी संस्था आई.आई.एम.एस.ए.एम. ने प्रियाकांतजु मंदिर के सचिव विजय शर्मा को भारत में कल्चर अफेयर एडवाइजर के पद पर नियुक्त किया गया है । संस्था संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक परिषद की निगरानी में 'स्पिरूलिना' जैसे प्राकृतिक संसाधनों से कुपोषण उन्मूलन एवं स्वास्थ्य संवर्धन जैसे विषयों पर 190 देशों में कार्य कर रही है । विजय शर्मा को भारत में सांस्कृतिक एवं सामाजिक क्षेत्र में कार्य करते हुए संस्था के वैश्विक अभियानों आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी सौंपी गयी है । आई.आई.एम.एस.ए.एम. के बैनर तले दिल्ली में आयोजित 25वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में संस्था के एशियन एम्बेसडर डा. साहिल सिंह ने विजय शर्मा को नियुक्ति पत्र के साथ भारत में कुपोषण के

आई.आई.एम.एस.ए.एम के पदाधिकारी समाजसेवी विजय शर्मा को 'कल्चर अफेयर एडवाईजर' का नियुक्ति पत्र सौंपते हुए।

खिलाफ अभियान का महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा । इस मौके पर

संस्था के इंडिया एम्बेसडर आसिफ अयूब ,शिवसेना चीफ नेशनल कोर्डीनेटर डा. अभिषेक वर्मा, राज्यसभा सांसद अमर पटनायक, सीआइएसएफ आईजी सरोजकांत मलिक, रिटायर्ड एसीपी सुन्दर लाल आदि उपस्थित थे। विजय शर्मा ने इस अवैतनिक नियुक्ति को भारत की सामाजिक चेतना, सांस्कृतिक शक्ति एवं वैश्विक मानवीय मूल्यों में विश्वास का सम्मान बताते हुए आभार जताया।

चोरी के दो मोबाइल के साथ युवक गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। राजकीय रेलवे पुलिस ने जंक्शन के प्लेटफार्म संख्या आठ से आगरा एंड की ओर से एक युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी को दो मोबाइल बरामद किए हैं। जीआरपी थाना प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार, उप निरीक्षक ललित भाटी, उप निरीक्षक अर्जुन सिंह और आरपीएफ के उप निरीक्षक सुजीत कुमार और पुलिसकर्मियों के साथ स्टेशन पर चेकिंग कर रहे थे। पुलिस और आरपीएफ की टीम प्लेटफार्म संख्या आठ पर पहुंची तो वहां एक संदिग्ध युवक स्टेशन के एंड पर झाड़ियों के नजदीक खड़ा दिखाई दिया, पुलिस टीम ने उसकी तलाशी की तो उसके कब्जे से दो मोबाइल मिले। पुछताछ के दौरान अभियुक्त मोनू निवासी सुभाषनगर थाना कोतवाली ने बरामद मोबाइल स्टेशन और ट्रेन से यात्रियों के चोरी किए हुए हैं। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

गुरुकुल आश्रम से बालक लापता

यूनिक समय चौमुहां। वृंदावन स्थित गुरुकुल आश्रम में रहकर शिक्षा ग्रहण कर रहा13 वर्षीय बालक संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया। पिता ने थाना जैत में उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई है। मध्य प्रदेश के जिला छतरपुर के थाना गुरैया क्षेत्र निवासी अंजुध्या पुत्र हरप्रसाद ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनका पुत्र आयुष अजरोरिया (13) वृंदावन के ज्ञान गुदड़ी क्षेत्र स्थित गुरुकुल आश्रम में रहकर पढ़ाई करता है। 12 जून की दोपहर करीब दो बजे आयुष आश्रम के पास स्थित दुकान से साबुन और तेल लेने गया था, लेकिन वापस नहीं लौटा। आश्रम प्रबंधन और कर्मचारियों ने बालक की काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। इसके बाद घटना की जानकारी बालक के पिता को दी गई। पिता ने उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई है।

भाई–भाभी पर मारपीट का मुकदमा दर्ज

यूनिक समय,चौमुहां। कस्बा निवासी एक व्यक्ति ने अपने भाई और भाभी पर मारपीट करने तथा जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है।

नगली मोहल्ला निवासी सतन ने थाना जैत में दर्ज कराई रिपोर्ट मे कहा है कि 16 जून की शाम करीब साढ़े आठ बजे वह अपने खेत से घर लौट रहा था। चौमुहां कट के सामने उसके सगे भाई प्रवीण और भाभी रश्मि उर्फ राजकुमारी ने उसे रोक लिया और गाली–गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर दोनों ने उसके साथ मारपीट की। पुलिस ने मामला दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी है।

सुविचार

जिदगी छोटी नहीं होती, लोग जीना देर से शुरू करते हैं।

कल का पंचांग

तिथि	सप्तमी	03:46-03:20 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष
नक्षत्र	पूर्व फाल्गुनी	09:25-09:31 तक	माह	ज्येष्ठ
सूर्योदय		5:29 AM	चन्द्रोदय	11:46 AM
सूर्यास्त		7:13 PM	चंद्रास्त	12:07 AM
सूर्य राशि		मिथुन राशि	चंद्र	कन्या राशि
शुभ मुहूर्त		12:20PM -02:03 PM	ब्रहम् मुहूर्त	03:51-04:39
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		05:30 PM: 07:13 PM	वार	रविवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8.00 से दोपहर 01.30बजे तक और शाम 4.00 से रात 9.00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6.30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6.30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7.30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेषः आत्मविश्वास बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। परिवार का सहयोग मिलेगा। खर्चों पर नियंत्रण रखें।

वृषभः आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। रुका हुआ कार्य पूरा होगा। मित्रों से लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

मिथुनः नए अवसर मिल सकते हैं। यात्रा के योग बनेंगे। निर्णय सोच–समझकर लें। परिवार में सुखद वातावरण रहेगा।

कर्कः भावनाओं पर नियंत्रण रखें। कार्यस्थल पर मेहनत का फल मिलेगा। निवेश में सावधानी बरतें। रिश्ते मजबूत होंगे।

सिंहः मान–सम्मान में वृद्धि होगी। व्यापार में लाभ मिलेगा। पुराने मित्र से मुलाकात संभव। आत्मविश्वास बनाए रखें।

कन्याः करियर में प्रगति के संकेत हैं। नई योजनाएं सफल होंगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धन लाभ संभव।

तुलाः भाग्य का साथ मिलेगा। शिक्षा और नौकरी में सफलता मिलेगी। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा।

वृश्चिक: धैर्य और संयम से काम लें। आर्थिक मामलों में लाभ होगा। किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति से मुलाकात संभव।

धनुः नई शुरुआत के लिए दिन अनुकूल है। कार्यों में सफलता मिलेगी। परिवार का सहयोग और सम्मान प्राप्त होगा।

मकरः मेहनत का सकारात्मक परिणाम मिलेगा। नौकरी में प्रगति के योग हैं। खर्च बढ़ सकते हैं, सतर्क रहें।

कुंभः रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। प्रेम संबंध मजबूत होंगे। आर्थिक स्थिति बेहतर रहेगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

मीनः घर–परिवार में खुशियां आएंगी। कार्यक्षेत्र में सराहना मिलेगी। किसी शुभ समाचार से मन प्रसन्न रहेगा।

सच्चे लोग आखिर क्यों रह जाते हैं अकेले ?

अच्छाई धर्म की खोज करती है, लोकप्रियता की नहीं

यूनिक समय, मथुरा। जीवन में अक्सर देखा जाता है कि जो लोग सच बोलते हैं, ईमानदारी से अपना कर्तव्य निभाते हैं और किसी का बुरा नहीं सोचते, वे कई बार खुद को अकेला पाते हैं। दूसरी ओर, चालाकी, दिखावा और स्वार्थ से भरे लोग भीड़ में घिरे दिखाई देते हैं। ऐसे में मन में सवाल उठता है कि क्या सच्चाई का रास्ता सचमुच तन्हाई की ओर ले जाता है? भगवान श्रीकृष्ण ने भगवद्गीता में इस प्रश्न का गहरा उत्तर दिया है।

अकेलापन बनता आत्मबल का आधार

श्रीकृष्ण के अनुसार, सच्चा व्यक्ति लोकप्रियता नहीं, बल्कि धर्म का अनुसरण करता है। वह वही करता है जो सही है, चाहे लोग उसका साथ दें या नहीं। यही कारण है कि कई बार वह भीड़ से अलग दिखाई देता है। समाज में अधिकांश लोग सुविधा और स्वार्थ के आधार पर निर्णय लेते हैं, जबकि धर्म का मार्ग सिद्धांतों और मूल्यों पर आधारित होता है। यह अंतर ही सच्चे व्यक्ति को दूसरों से अलग कर देता है।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

गीता में बताया गया है कि जीवन की कठिनाइयां और अकेलापन किसी सजा का परिणाम नहीं, बल्कि आत्मिक विकास का माध्यम हैं। जब व्यक्ति हर परिस्थिति में सत्य का साथ देता है, तब वह धीरे–धीरे बाहरी सहारों पर निर्भर होना छोड़ देता है। उसका विश्वास लोगों की बजाय अपने कर्म और ईश्वर पर केंद्रित हो जाता है। यही आंतरिक शक्ति उसे विशेष बनाती है।

श्रीकृष्ण यह भी कहते हैं कि संसार में इच्छाओं, प्रतिस्पर्धा और मोह का प्रभाव अधिक है। ऐसे वातावरण में शुद्ध विचार, करुणा और निष्काम भाव रखने वाले लोग कम मिलते हैं। इसलिए सत्व गुण से प्रेरित व्यक्ति को कई बार लगता है कि उसकी सोच औरों से अलग है। लेकिन यह अलगाव कमजोरी नहीं, बल्कि उसके ऊंचे चरित्र का प्रमाण होता है। विश्वासघात और उपेक्षा भी जीवन के ऐसे अनुभव हैं जो व्यक्ति को रिश्तों की वास्तविकता समझाते हैं। गीता के अनुसार, सांसारिक संबंध महत्वपूर्ण हैं, लेकिन वे स्थायी नहीं हैं। स्थायी संबंध केवल आत्मा और परमात्मा के बीच होता है। इसलिए जब कोई सच्चा व्यक्ति कठिन दौर से गुजरता है, तब वह भीतर से और अधिक मजबूत होकर उभरता है।

भगवान कृष्ण का संदेश स्पष्ट है– सच्चाई की राह कभी–कभी अकेली जरूर होती है, लेकिन यही रास्ता आत्मिक शांति, सम्मान और वास्तविक सफलता तक पहुंचाता है। इसलिए यदि आप ईमानदार हैं और कभी अकेलापन महसूस करते हैं, तो इसे अपनी कमजोरी नहीं, बल्कि अपने चरित्र की ताकत समझिए।

गाड़ी का रंग और नंबर बदल सकता है आपकी किस्मत

सही मुहूर्त में वाहन खरीदना माना शुभ

रंग और नंबर से बढ़ता वाहन सुख

यूनिक समय, मथुरा। नई गाड़ी खरीदना हर व्यक्ति का सपना होता है, लेकिन ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सही समय, रंग और नंबर का चयन वाहन सुख को बढ़ा सकता है। ज्योतिष में वाहन सुख का संबंध मुख्य रूप से कुंडली के चौथे भाव और शुक्र ग्रह से माना जाता है। वहीं शनि वाहन के इंजन और धातु संबंधी पक्षों का प्रतिनिधित्व करता है।

ज्योतिषाचार्यों के अनुसार वाहन खरीदने के लिए सोमवार, बुधवार और गुरुवार सबसे शुभ दिन माने जाते हैं। पुनर्वसु, स्वाति और रोहिणी जैसे नक्षत्रों में वाहन खरीदना विशेष रूप से लाभकारी माना जाता है। अमावस्या के दिन वाहन खरीदने से बचने की सलाह दी जाती है, जबकि एकादशी, पूर्णिमा, नवरात्रि और धनतेरस जैसे अवसर शुभ माने जाते हैं।

वाहन के रंग का भी विशेष महत्व बताया गया है। सफेद और क्रीम रंग की गाड़ियां लगभग सभी राशियों के लिए शुभ मानी जाती हैं। वहीं काले रंग का वाहन खरीदने से पहले कुंडली का परीक्षण कर लेना बेहतर माना जाता है। ज्योतिष में वाहन नंबर का भी महत्व है। वाहन के अंतिम चार अंकों का योग जन्म मूलांक के अनुरूप होना शुभ माना जाता है। विशेष रूप से 1 और 6 अंक को सौभाग्य का प्रतीक माना गया है। मान्यता है कि मंगल और राहु की अशुभ स्थिति वाहन दुर्घटना या बार–बार खराबी का कारण बन सकती है। ऐसे में वाहन में हनुमान जी का चित्र रखना और सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखना शुभ माना जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि सही मुहूर्त और सावधानी के साथ खरीदा गया वाहन लंबे समय तक सुख और सुरक्षा प्रदान करता है।

संत ने बताया सुखी जीवन का सबसे आसान मंत्र

अतीत का बोझ छोड़ें आगे बढ़ें

यूनिक समय, मथुरा। एक व्यक्ति जीवन की परेशानियों से इतना घिर गया कि उसे हर ओर केवल दुख और निराशा ही दिखाई देने लगी। आर्थिक संकट, पारिवारिक तनाव और रिश्तों की उलझनों ने उसका मन तोड़ दिया। समाधान की तलाश में वह एक संत के पास पहुंचा और हमेशा खुश रहने का रहस्य पूछा।

संत उसे जंगल ले गए और एक भारी पत्थर उठाकर साथ चलने को कहा। कुछ दूर चलने के बाद व्यक्ति के हाथ और कंधे दर्द से भर गए। आखिरकार उसने संत से कहा कि वह अब यह बोझ नहीं उठा सकता। संत ने उसे पत्थर नीचे रखने को कहा। जैसे ही पत्थर जमीन पर रखा, उसे तुरंत राहत महसूस हुई। तब संत ने समझाया कि यह पत्थर जीवन के दुख, पछतावे और नकारात्मक विचारों का प्रतीक है। जब तक व्यक्ति पुराने दुखों और गलतियों का बोझ उठाए रखता है, तब तक उसे सच्ची खुशी नहीं मिल सकती।

संत ने बताया कि सुखी जीवन का मूल मंत्र है वर्तमान में जीना, नकारात्मक भावनाओं को छोड़ना, लक्ष्य निर्धारित करना और स्वस्थ रिश्ते बनाए रखना। जो बातें बदली नहीं जा सकतीं, उन्हें स्वीकार कर आगे बढ़ना ही मानसिक शांति और खुशहाल जीवन की सबसे बड़ी कुंजी है।

राधा–कृष्ण की लीलाओं की अनसुनी नायिकाएं थीं अष्ट सखियां

यूनिक समय, मथुरा। जब भी भगवान श्रीकृष्ण और राधारानी के दिव्य प्रेम की चर्चा होती है, तो सबसे पहले राधा–कृष्ण की छवि मन में उभरती है। लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि उनकी लीलाओं को सफल बनाने में आठ विशेष सखियों की महत्वपूर्ण भूमिका थी। इन्हें अष्ट सखियां कहा जाता है। भक्ति परंपरा में इनका स्थान अत्यंत सम्मानजनक माना जाता है।

अष्ट सखियां केवल राधारानी की सहेलियां नहीं थीं, बल्कि उनकी विश्वासपात्र, सलाहकार, संदेशवाहक और रक्षक भी थीं। कहा जाता है कि राधा–कृष्ण की अनेक लीलाएं इनके सहयोग के बिना संभव ही नहीं थीं। वृंदावन और गोवर्धन क्षेत्र में आज भी इनके नाम से जुड़े मंदिर, कुंड और स्मारक इस परंपरा की याद दिलाते हैं।

अष्ट सखियों में सबसे प्रमुख नाम ललिता सखी का माना जाता है। वे साहसी और स्पष्टवादी थीं तथा हर परिस्थिति में राधारानी का साथ देती थीं। गोवर्धन परिक्रमा मार्ग पर राधाकुंड के निकट ललिता सखी से जुड़ा स्थान आज भी श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र है।

विशाखा सखी अपनी बुद्धिमत्ता, कूटनीति और संगीत–कला के लिए प्रसिद्ध थीं।

माना जाता है कि वे कठिन परिस्थितियों में भी सामंजस्य स्थापित करने की अद्भुत क्षमता रखती थीं।

इनके बिना अधूरी रहतीं वृंदावन की दिव्य कथाएं

गोवर्धन परिक्रमा में आज भी मिलते हैं प्रमाण

वहीं चंपकलता सखी भक्ति भाव से सेवा, माला निर्माण और विभिन्न कलाओं में निपुण थीं।चित्रा सखी चित्रकला, कविता और संगीत की विशेषज्ञ मानी जाती थीं। तुंगविद्या सखी शास्त्रों और आध्यात्मिक ज्ञान में पारंगत थीं। इंदुलेखा सखी अपनी तीक्ष्ण बुद्धि और ज्योतिष विद्या के लिए प्रसिद्ध थीं। रंगादेवी सखी अपनी हास्यप्रियता और चंचल स्वभाव से वातावरण को आनंदमय बनाती थीं, जबकि सुदेवी सखी निस्वार्थ सेवा और सूक्ष्म देखभाल के लिए जानी जाती थीं।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इन अष्ट सखियों ने कभी यश या सम्मान की इच्छा नहीं की। उनका जीवन केवल राधा–कृष्ण की सेवा और भक्ति को समर्पित था। यही कारण है कि आज भी भक्त समुदाय में उनका विशेष महत्व है।

अष्ट सखियों की कथा केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सच्ची मित्रता, समर्पण, निष्ठा और सेवा का संदेश भी देती है। यही वजह है कि सदियों बाद भी राधा–कृष्ण के साथ इन आठ सखियों का नाम श्रद्धा और सम्मान के साथ लिया जाता है।

सम्पादकीय

बच्चों की सुरक्षा में जवाबदेह बनें सोशल मीडिया मंच

तकनीक ने दुनिया को बदल दिया है। इंटरनेट और सोशल मीडिया ने शिक्षा, जानकारी और संवाद के नए अवसर दिए हैं, लेकिन इसके साथ कई गंभीर चुनौतियां भी सामने आई हैं। सबसे बड़ी चिंता बच्चों और किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य को लेकर है। इटली में एक 12 वर्षीय बच्ची की मौत के बाद कई परिवारों ने सोशल मीडिया कंपनियों के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। उनका आरोप है कि इन मंचों के एल्गोरिदम बच्चों को अवसाद, आत्म-नुकसान और मानसिक तनाव से जुड़ी सामग्री की ओर धकेलते हैं। यह चिंता केवल इटली की नहीं, बल्कि पूरी दुनिया की है।

पवन गौतम
संपादक

वैज्ञानिक अध्ययनों में भी यह सामने आया है कि सोशल मीडिया का अत्यधिक उपयोग चिंता, अवसाद, अनिद्रा और आत्मविश्वास में कमी जैसी समस्याओं को बढ़ा सकता है। किशोरों पर इसका असर अधिक पड़ता है, क्योंकि वे भावनात्मक रूप से संवेदनशील होते हैं। लगातार दूसरों के दिखावटी जीवन को देखकर उनमें तुलना की भावना बढ़ती है, जो मानसिक दबाव का कारण बनती है।

समस्या का मूल कारण सोशल मीडिया मंचों के एल्गोरिदम हैं। इनका उद्देश्य उपयोगकर्ता को अधिक समय तक मंच पर बनाए रखना होता है। इसके लिए वही सामग्री बार-बार दिखाई जाती है, जिसमें व्यक्ति रुचि दिखाता है। नतीजा यह होता है कि बच्चे एक सीमित डिजिटल दुनिया में फंस जाते हैं और वास्तविक जीवन से उनका जुड़ाव कम होने लगता है। कंपनियों की प्राथमिकता अक्सर उपयोगकर्ता का कल्याण नहीं, बल्कि उससे होने वाली कमाई होती है।

स्कैन करें

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

भारत में यह चुनौती और बड़ी है। यहां तेजी से बढ़ती डिजिटल पहुंच के बीच डिजिटल अनुशासन और जागरूकता अभी भी कमजोर है। कई अभिभावक सुविधा के लिए बच्चों को स्मार्टफोन दे देते हैं, लेकिन उनके उपयोग पर पर्याप्त निगरानी नहीं रखते। इससे बच्चों का समय, ध्यान और मानसिक संतुलन प्रभावित होता है। सोशल मीडिया कंपनियों को बच्चों के लिए सुरक्षित मंच विकसित करने, आयु सत्यापन की मजबूत व्यवस्था लागू करने और हानिकारक सामग्री पर सख्ती से रोक लगाने की जरूरत है। वहीं अभिभावकों को भी बच्चों के डिजिटल जीवन में सक्रिय भागीदारी निभानी होगी। तकनीक का लाभ तभी सार्थक होगा, जब वह बच्चों के भविष्य और मानसिक स्वास्थ्य की कीमत पर न मिले।

नजरिया

क्या कांग्रेस बनेगी बिखरे विपक्ष की नई छतरी

बोध प्रकाश सगुणी

भारतीय राजनीति में समय-समय पर ऐसे मोड़ आते रहे हैं, जब पुराने राजनीतिक समीकरण टूटते हैं और नए गठबंधन आकार लेने लगते हैं। आज देश की विपक्षी राजनीति भी ऐसे ही एक दौर से गुजर रही है। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की कमजोर होती स्थिति, महाराष्ट्र में शरद पवार और उद्धव ठाकरे के सामने खड़ी चुनौतियां तथा आंध्र प्रदेश में जगन मोहन रेड्डी की घटती राजनीतिक ताकत ने एक नई बहस को जन्म दिया है। यह बहस है कि क्या कांग्रेस से अलग होकर अपनी राजनीतिक पहचान बनाने वाले नेता और दल भविष्य में फिर कांग्रेस की ओर लौट सकते हैं? यह सवाल केवल कुछ नेताओं की राजनीतिक रणनीति का नहीं, बल्कि देश में विपक्ष की दिशा और दशा से भी जुड़ा हुआ है।

एक समय था जब कांग्रेस भारतीय राजनीति की निर्विवाद धुरी थी। राष्ट्रीय स्तर पर उसका संगठन मजबूत था और अधिकांश राज्यों में उसकी उपस्थिति प्रभावशाली थी। लेकिन समय के साथ क्षेत्रीय आकांक्षाएं बढ़ीं और कई नेताओं ने महसूस किया कि कांग्रेस उनकी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने में सक्षम नहीं है। परिणामस्वरूप अनेक क्षेत्रीय दल अस्तित्व में आए। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी ने तृणमूल कांग्रेस बनाई, महाराष्ट्र में शरद पवार ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का गठन किया और आंध्र प्रदेश में जगन मोहन रेड्डी ने अपनी अलग राजनीतिक राह चुनी। इन सभी नेताओं ने अपने-अपने राज्यों में कांग्रेस की जगह लेकर मजबूत राजनीतिक आधार तैयार किया।

कई वर्षों तक इन क्षेत्रीय दलों ने न केवल कांग्रेस को चुनौती दी, बल्कि कई राज्यों में उसे लगभग अप्रासंगिक भी बना दिया। पश्चिम बंगाल इसका सबसे बड़ा उदाहरण रहा, जहां ममता बनर्जी ने वामपंथी शासन को समाप्त करने के साथ-साथ कांग्रेस को भी हाशिए पर पहुंचा दिया। आंध्र प्रदेश में जगन मोहन रेड्डी के उभार के बाद कांग्रेस का जनाधार तेजी से सिमट गया। महाराष्ट्र में शरद पवार ने अपनी अलग पहचान कायम करते हुए कांग्रेस से अलग राजनीतिक शक्ति केंद्र विकसित किया। उस समय यह माना जाता था कि राष्ट्रीय राजनीति का भविष्य क्षेत्रीय दलों के इर्द-गिर्द घूमेगा।

लेकिन पिछले एक दशक में भारतीय राजनीति की तस्वीर तेजी से बदली है। भारतीय जनता पार्टी ने अपने संगठनात्मक विस्तार, नेतृत्व की स्पष्टता और चुनावी रणनीति के बल पर देश के अधिकांश हिस्सों में प्रभाव बढ़ाया है। आज भाजपा केवल एक राष्ट्रीय दल नहीं, बल्कि कई राज्यों में मुख्य राजनीतिक शक्ति बन चुकी है। इस बदलाव का सबसे अधिक असर उन्हीं क्षेत्रीय दलों पर पड़ा है, जो पहले कांग्रेस की कमजोर होती जमीन पर अपना विस्तार कर रहे थे। अब उन्हें भाजपा जैसी संगठित और संसाधन-संपन्न पार्टी से सीधा मुकाबला करना पड़ रहा है।

यही कारण है कि कई क्षेत्रीय दल पहले की तुलना में अधिक दबाव महसूस कर रहे हैं। पश्चिम बंगाल में भाजपा ने तृणमूल कांग्रेस को गंभीर चुनौती दी है। महाराष्ट्र में शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी दोनों विभाजन का सामना कर चुकी हैं। आंध्र प्रदेश में भी राजनीतिक समीकरण लगातार बदल रहे हैं। इन परिस्थितियों ने विपक्षी राजनीति के सामने एक बड़ा प्रश्न खड़ा कर दिया है कि भाजपा के मुकाबले प्रभावी चुनौती देने के लिए क्या विपक्ष को एक बड़े राजनीतिक ढांचे की आवश्यकता है।

कांग्रेस में वापसी की चर्चा इसी संदर्भ में उभरती दिखाई देती है। कुछ राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि कांग्रेस से निकले प्रमुख नेता और दल फिर एक मंच पर आ जाएं तो विपक्ष अधिक संगठित और प्रभावी बन सकता है। इससे मतों का बिखराव कम होगा और भाजपा के सामने एक व्यापक राजनीतिक विकल्प तैयार हो सकेगा। यह तर्क पहली नजर में आकर्षक लगता है, लेकिन वास्तविकता कहीं अधिक जटिल है।

सबसे बड़ा सवाल नेतृत्व का है। ममता बनर्जी, शरद पवार और जगन मोहन रेड्डी जैसे नेता वर्षों से अपने-अपने दलों के निर्विवाद केंद्र रहे हैं। उन्होंने स्वतंत्र राजनीतिक पहचान बनाई है और अपने समर्थकों के बीच व्यक्तिगत प्रभाव स्थापित किया है। ऐसे नेताओं के लिए किसी अन्य दल के नेतृत्व को स्वीकार करना आसान नहीं होगा। राजनीति केवल विचारधारा का विषय नहीं होती, बल्कि नेतृत्व, संगठन और जनाधार का भी

प्रश्न होती है। इसलिए कांग्रेस में वापसी का निर्णय केवल राजनीतिक गणित से तय नहीं हो सकता।

दूसरी चुनौती राज्यों की राजनीति से जुड़ी है। कई राज्यों में कांग्रेस और क्षेत्रीय दलों के बीच प्रतिस्पर्धा का लंबा इतिहास रहा है। पश्चिम बंगाल में कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस वर्षों तक एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ती रही हैं। केरल, पंजाब और कई अन्य राज्यों में भी विपक्षी दलों के बीच राजनीतिक प्रतिस्पर्धा बनी हुई है। ऐसे में औपचारिक विलय या पूर्ण एकीकरण व्यावहारिक रूप से आसान नहीं दिखाई देता।

इसके अतिरिक्त यह भी ध्यान रखना होगा कि क्षेत्रीय दलों की ताकत उनकी स्थानीय पहचान में निहित होती है। ममता बनर्जी बंगाल की राजनीति का चेहरा हैं, शरद पवार महाराष्ट्र की राजनीति में अलग स्थान रखते हैं और जगन मोहन रेड्डी की लोकप्रियता आंध्र प्रदेश की क्षेत्रीय आकांक्षाओं से जुड़ी रही है। यदि ये दल अपनी स्वतंत्र पहचान खो देते हैं तो उनका मूल राजनीतिक आधार भी प्रभावित हो सकता है। इसलिए उनके लिए कांग्रेस में शामिल होना केवल संगठनात्मक निर्णय नहीं, बल्कि राजनीतिक जोखिम भी होगा।

हालांकि इसका यह अर्थ नहीं कि विपक्षी एकता की संभावना समाप्त हो गई है। पिछले वर्षों में विभिन्न विपक्षी दलों ने कई मुद्दों पर साथ मिलकर काम किया है। चुनावी गठबंधन, सीटों का समन्वय और साझा राजनीतिक अभियान ऐसे उपाय हैं, जिनके माध्यम से विपक्ष अपनी अलग पहचान बनाए रखते हुए भी एकजुट रह सकता है। वास्तव में भारतीय राजनीति का अनुभव बताता है कि गठबंधन की राजनीति अक्सर पूर्ण विलय की तुलना में अधिक व्यावहारिक साबित होती है।

कांग्रेस के सामने भी आत्ममंथन की आवश्यकता है। यदि वह विपक्ष की केंद्रीय शक्ति बनना चाहती है तो उसे केवल बड़े नेताओं को साथ लाने की रणनीति पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। संगठन का विस्तार, स्थानीय नेतृत्व का विकास और जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं को सक्रिय करना अधिक महत्वपूर्ण होगा। किसी भी दल की वास्तविक ताकत उसके संगठन और जनसंपर्क में होती है, केवल राजनीतिक गठबंधनों में नहीं।

विपक्ष के लिए भी यह समझना आवश्यक है कि भाजपा की चुनौती केवल चुनावी नहीं, बल्कि संगठनात्मक और वैचारिक भी है। इसका मुकाबला केवल राजनीतिक जोड़-तोड़ से नहीं किया जा सकता। इसके लिए स्पष्ट दृष्टि, प्रभावी नेतृत्व और जनता के मुद्दों पर विश्वसनीय विकल्प प्रस्तुत करना होगा।

अंततः यह कहना जल्दबाजी होगी कि ममता बनर्जी, शरद पवार या जगन मोहन रेड्डी जैसे नेता कांग्रेस में लौटेंगे या नहीं। राजनीति संभावनाओं का खेल है और परिस्थितियां समय के साथ बदलती रहती हैं। लेकिन फिलहाल इतना स्पष्ट है कि विपक्ष की मजबूती का रास्ता केवल किसी एक दल में विलय से नहीं, बल्कि आपसी सहयोग, साझा रणनीति और मजबूत संगठनात्मक ढांचे से होकर गुजरता है। आने वाले वर्षों में भारतीय राजनीति का स्वरूप इसी बात से तय होगा कि विपक्ष अपनी विविधताओं को बनाए रखते हुए कितनी प्रभावी एकजुटता स्थापित कर पाता है।

विचार विण्डो

महंगी बिजली, बढ़ती कटौती और जनता का टूटता सब्र

राम प्रकाश वर्मा

उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा आबादी वाला राज्य है। यहां की अर्थव्यवस्था, उद्योग, कृषि, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं बड़े पैमाने पर बिजली व्यवस्था पर निर्भर हैं। सरकार लगातार प्रदेश को निवेश, उद्योग और बुनियादी सुविधाओं के मामले में अग्रणी राज्य बनाने का दावा करती है। एक्सप्रेसवे, औद्योगिक गलियारे, स्मार्ट सिटी और डिजिटल सेवाओं के विस्तार की चर्चा होती है। लेकिन इन सभी उपलब्धियों की असली परीक्षा तब होती है, जब आम नागरिक अपने घर में पंखा चलाने, छात्र पढ़ाई करने, किसान सिंचाई करने और व्यापारी अपना कारोबार संचालित करने के लिए बिजली पर निर्भर होता है। यदि बिजली की आपूर्ति बार-बार बाधित हो, तो विकास के बड़े-बड़े दावे आम जनता को अधूरे लगने लगते हैं।

प्रदेश में पिछले कुछ वर्षों के दौरान बिजली उत्पादन और आपूर्ति के क्षेत्र में कई सुधार हुए हैं। गांवों तक विद्युतीकरण पहुंचा है, कई नए उपकेंद्र बनाए गए हैं और बिजली वितरण नेटवर्क के विस्तार पर भी काम हुआ है। सरकार यह दावा करती है कि पहले की तुलना में कहीं अधिक समय तक बिजली उपलब्ध कराई जा रही है। यह बात काफी हद तक सही भी है। लेकिन दूसरी ओर यह भी सच है कि आज भी प्रदेश के अनेक शहरों, कस्बों और गांवों में उपभोक्ता बिजली कटौती, लो-वोल्टेज और तकनीकी खराबियों की समस्या से परेशान हैं। गर्मी का मौसम शुरू होते ही बिजली व्यवस्था की कमजोरियां सामने आने लगती हैं। तापमान बढ़ते ही बिजली की मांग बढ़ जाती है और कई क्षेत्रों में आपूर्ति प्रभावित होने लगती है। कहीं ट्रांसफार्मर फुंक जाते हैं, कहीं लाइनें ओवरलोड हो जाती हैं तो कहीं मामूली बारिश और तेज हवा के बाद घंटों बिजली गायब रहती है। मथुरा, आगरा, अलीगढ़, मेरठ, कानपुर, बरेली, प्रयागराज और पूर्वांचल के कई जिलों से समय-समय पर ऐसी शिकायतें सामने आती रहती हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति और भी अधिक चुनौतीपूर्ण दिखाई देती है।

सबसे अधिक परेशानी तब होती है जब बिजली कटौती का कोई निश्चित समय नहीं होता। उपभोक्ता न तो अपने काम की योजना बना पाता है और न ही यह अनुमान लगा पाता है कि बिजली कब जाएगी और कब आएगी। छात्रों की पढ़ाई प्रभावित होती है, छोटे व्यापारियों का काम रुकता है, घरेलू उपकरण बार-बार बंद होने से खराब होने लगते हैं और बुजुर्गों तथा मरीजों को अतिरिक्त कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। गर्मी के दिनों में तो कुछ घंटे की कटौती भी लोगों

के लिए बड़ी परेशानी बन जाती है। इस स्थिति में सबसे बड़ा सवाल बिजली के बढ़ते बिलों को लेकर उठता है। आम उपभोक्ता हर महीने बिजली का बिल समय पर जमा करता है। बिजली दरों में समय-समय पर वृद्धि भी होती रहती है। उपभोक्ता यह उम्मीद करता है कि जब वह अधिक भुगतान कर रहा है तो उसे बेहतर और निर्बाध सेवा मिलेगी। लेकिन जब महंगे बिल के बावजूद बार-बार बिजली गुल हो जाए तो स्वाभाविक रूप से नाराजगी बढ़ती है। लोगों को लगता है कि उनसे राजस्व तो पूरा लिया जा रहा है, लेकिन सेवा की गुणवत्ता उसी अनुपात में नहीं बढ़ रही। उत्तर प्रदेश में बिजली व्यवस्था की एक बड़ी समस्या जर्जर वितरण ढांचा भी है। कई स्थानों पर वर्षों पुराने तार और उपकरण अभी भी उपयोग में हैं। आबादी बढ़ी है, नए मकान बने हैं, व्यापारिक गतिविधियां बढ़ी हैं और बिजली की खपत कई गुना बढ़ चुकी है, लेकिन कई क्षेत्रों में आधारभूत ढांचे का विस्तार उसी गति से नहीं हो पाया। नतीजा यह होता है कि ट्रांसफार्मर ओवरलोड हो जाते हैं और थोड़ी सी तकनीकी गड़बड़ी पूरे इलाके की बिजली व्यवस्था को प्रभावित कर देती है।

किसानों की परेशानी भी कम नहीं है। खेती का बड़ा हिस्सा सिंचाई पर निर्भर करता है और सिंचाई के लिए बिजली आवश्यक है। यदि निर्धारित समय पर बिजली न मिले तो फसलों पर असर पड़ता है। कई किसानों को रात में बिजली मिलने की शिकायत रहती है, जबकि दिन में आपूर्ति बाधित रहती है। इससे उनकी दिनचर्या और खेती दोनों प्रभावित होती हैं। प्रदेश की अर्थव्यवस्था में कृषि की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए यह समस्या विशेष ध्यान की मांग करती है। आज का युग डिजिटल सेवाओं का युग है। स्कूलों में ऑनलाइन शिक्षा, सरकारी सेवाओं का डिजिटलीकरण, बैंकिंग, व्यापार और घर से काम करने की बढ़ती प्रवृत्ति ने बिजली की आवश्यकता को पहले से कहीं अधिक बढ़ा दिया है। बिजली जाने का मतलब अब केवल अंधेरा नहीं, बल्कि इंटरनेट बंद होना, काम रुकना और उत्पादकता में गिरावट भी है। इसलिए बिजली व्यवस्था को केवल पारंपरिक सुविधा के रूप में नहीं, बल्कि विकास की आधारशिला के रूप में देखा जाना चाहिए। सोशल मीडिया पर बिजली कटौती को लेकर लोगों की प्रतिक्रियाएं लगातार सामने आती रहती हैं। कहीं लोग व्यंग्य करते हैं कि बिजली का आना अब उत्सव जैसा हो गया है, तो कहीं लोग बढ़ते बिल और घटती सुविधाओं पर सवाल उठाते हैं। यह केवल शिकायत नहीं, बल्कि जनता के धैर्य की परीक्षा का संकेत है। यदि किसी व्यवस्था को लेकर लगातार नाराजगी दिखाई दे रही है तो उसे गंभीरता से लेने की आवश्यकता होती है। सरकार और बिजली विभाग को यह समझना होगा कि केवल बिजली उत्पादन बढ़ाना पर्याप्त नहीं है। वितरण व्यवस्था को मजबूत बनाना, पुराने उपकरणों को बदलना, ट्रांसफार्मरों की क्षमता बढ़ाना, भूमिगत केबलिंग को बढ़ावा देना और नियमित रखरखाव सुनिश्चित करना उतना ही आवश्यक है। शिकायत निवारण प्रणाली को भी अधिक प्रभावी और जवाबदेह बनाना होगा, ताकि उपभोक्ताओं को छोटी-छोटी समस्याओं के लिए दिनों तक इंतजार न करना पड़े।

साथ ही बिजली चोरी पर प्रभावी नियंत्रण भी जरूरी है। बिजली चोरी का बोझ अंततः ईमानदार उपभोक्ताओं पर ही पड़ता है। यदि वितरण कंपनियों का राजस्व प्रभावित होगा तो उसका असर व्यवस्था की गुणवत्ता पर भी दिखाई देगा। इसलिए तकनीकी सुधारों के साथ-साथ प्रशासनिक सख्ती भी आवश्यक है।

अफगानिस्तान के खिलाफ जीत से बनेगा बड़ा कीर्तिमान

न्यूजीलैंड की बराबरी करने उतरेगी टीम इंडिया

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत और अफगानिस्तान के बीच वनडे सीरीज का तीसरा और आखिरी मुकाबला 20 जून को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम (चेपॉक) में खेला जाएगा। यह मैच सिर्फ सीरीज का निर्णायक मुकाबला नहीं, बल्कि टीम इंडिया के लिए एक बड़ा रिकॉर्ड बनाने का सुनहरा मौका भी है। भारतीय टीम अफगानिस्तान का 3–0 से सफाया कर इतिहास रचने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। दरअसल, अगर भारत तीसरा वनडे जीतने में सफल रहता है तो वह साल 2010 के बाद से अपनी 14वीं द्विपक्षीय वनडे सीरीज क्लीन स्वीप दर्ज करेगा। इसके साथ ही टीम इंडिया सबसे ज्यादा वनडे सीरीज क्लीन स्वीप करने के मामले में न्यूजीलैंड की बराबरी कर लेगी। फिलहाल यह रिकॉर्ड न्यूजीलैंड के नाम है, जिसने 2010 के बाद 14 बार विरोधी टीमों का पूरी तरह सफाया किया है।

भारतीय टीम अब तक 13 बार वनडे सीरीज में क्लीन स्वीप कर चुकी है। आखिरी बार भारत ने 2023 में श्रीलंका के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की थी। वहीं इस सूची में दक्षिण अफ्रीका 11 क्लीन स्वीप के साथ तीसरे स्थान पर है। दिलचस्प बात यह है कि इसी साल न्यूजीलैंड ने भारत को घरेलू वनडे सीरीज में 2–1 से हराया था। ऐसे में रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम के पास अब न सिर्फ सीरीज जीतने का मौका है, बल्कि न्यूजीलैंड के बड़े रिकॉर्ड की बराबरी कर अपनी ताकत का भी दमदार प्रदर्शन करने का अवसर है। चेपॉक की स्पिन–अनुकूल पिच पर भारतीय टीम से एक और शानदार प्रदर्शन की उम्मीद होगी। क्रिकेट फैंस की नजरें अब इस बात पर टिकी हैं कि क्या टीम इंडिया जीत के साथ रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करा पाएगी।

तीसरी बार दूल्हा बनने की तैयारी में आमिर खान

गौरी स्प्रैट संग नए सफर की तैयारी में आमिर खान

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान एक बार फिर अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। अपनी गर्लफ्रेंड गौरी स्प्रैट के साथ रिश्ते को सार्वजनिक करने के बाद अब आमिर ने शादी को लेकर बड़ा अपडेट साझा किया है। अभिनेता ने साफ किया है कि उनकी तीसरी शादी किसी भव्य समारोह में नहीं, बल्कि बेहद सादगी और निजी माहौल में होगी।

एक इंटरव्यू में आमिर खान ने बताया कि वह और गौरी स्प्रैट रजिस्टर्ड मैरिज करेंगे। इस खास मौके पर दोनों परिवारों के सदस्य और कुछ करीबी दोस्त ही मौजूद रहेंगे। आमिर का कहना है कि वे शादी को पूरी तरह निजी और सरल रखना चाहते हैं, इसलिए किसी बड़े आयोजन या तामझाम की योजना नहीं बनाई गई है।

खास बात यह है कि शादी का कार्यक्रम घर पर ही आयोजित किया जाएगा। आमिर और गौरी अपने नए जीवन की शुरुआत शोर–शराबे से दूर, परिवार और अपनों के बीच करना चाहते हैं। हालांकि, शादी की तारीख को लेकर अभी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन फैंस इस खुशखबरी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

पराग्वे के आगे नहीं चली तुर्की की ताकत

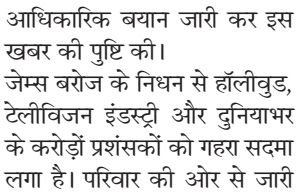

तुर्की को हराकर वर्ल्ड कप से किया बाहर

यूनिक समय, नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में पैराग्वे ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तुर्की को 1–0 से हराकर टूर्नामेंट का बड़ा उलटफेर कर दिया। ग्रुप डी के इस मुकाबले में मिली हार के साथ ही तुर्की वर्ल्ड कप से बाहर होने वाली दूसरी टीम बन गई। लगातार दो मैच हारने के बाद उसके लिए अगले दौर में पहुंचने की सभी संभावनाएं समाप्त हो गई हैं।

मैच की शुरुआत पैराग्वे के लिए बेहद शानदार रही। खेल के महज 65वें सेकंड में मैथियास गलार्जा ने लंबी दूरी से शानदार शॉट लगाकर गोल दाग दिया। यह गोल मौजूदा वर्ल्ड कप का अब तक का सबसे तेज गोल भी बन गया। शुरुआती झटके के बाद तुर्की ने वापसी की पूरी कोशिश की और कई खतरनाक हमले किए, लेकिन पैराग्वे के गोलकीपर ऑरलैंडो गिल और मजबूत रक्षा पंक्ति ने उन्हें सफल नहीं होने दिया।

पहले हाफ के अंत में पैराग्वे के स्टार खिलाड़ी मिगुएल अल्मिरोन को रेड कार्ड दिखाया गया, जिसके बाद टीम को पूरा दूसरा हाफ 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा। इसके बावजूद तुर्की एक भी गोल नहीं कर सकी।

इस जीत के साथ पैराग्वे ने अपनी दावेदारी मजबूत कर ली, जबकि तुर्की का वर्ल्ड कप अभियान निराशाजनक अंदाज में समाप्त हो गया। यह परिणाम टूर्नामेंट के सबसे बड़े उलटफेरों में से एक माना जा रहा है।

अनुराग कश्यप पर सिर फोड़ने की धमकी देने का आरोप

करण जौहर के करीबी सहयोगी का बड़ा आरोप

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड के चर्चित फिल्म निर्देशक अनुराग कश्यप एक नए विवाद को लेकर सुर्खियों में आ गए हैं। धर्मा प्रोडक्शन्स से जुड़े लेखक और क्रिएटिव प्रोफेशनल सोमेन मिश्रा ने ऐसा दावा किया है, जिसने फिल्म इंडस्ट्री और सोशल मीडिया दोनों जगह सनसनी फैला दी है। सोमेन ने आरोप लगाया है कि अनुराग कश्यप ने एक बार उनके घर आकर उनका "सिर फोड़ने" की धमकी दी थी। हालांकि, उन्होंने इस घटना की पूरी जानकारी सार्वजनिक नहीं की है, लेकिन उनके इस बयान ने लोगों की उत्सुकता जरूर बढ़ा दी है।

पूरा मामला तब शुरू हुआ जब पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया ने अनुराग कश्यप पर आधारित एक नई किताब की घोषणा की। इस किताब को पत्रकार नमन रामचंद्रन और अनुराग कश्यप मिलकर लिख रहे हैं। किताब की घोषणा होते ही सोमेन मिश्रा ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, "अगर इस किताब में वह अध्याय नहीं है, जिसमें एके (अनुराग कश्यप) ने मेरे घर आकर मुझे मेरा सिर फोड़ने की धमकी दी थी, तो यह किताब किसी काम की नहीं है।"

सोमेन के इस पोस्ट ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया। देखते ही देखते यूजर्स ने उनसे सवाल पूछने शुरू कर दिए। कई लोगों ने जानना चाहा कि आखिर दोनों के बीच ऐसा क्या हुआ था कि मामला धमकी तक पहुंच गया। कुछ यूजर्स ने पूरी घटना का खुलासा करने की मांग की, जबकि कई लोगों ने इस दावे पर हैरानी जताई।

दिलचस्प बात यह रही कि सोमेन ने बाद में एक और पोस्ट साझा किया, जिसमें उन्होंने अनुराग कश्यप की सिनेमाई विरासत पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर सफलता हासिल कर लेना किसी फिल्मकार की विरासत तय नहीं करता।

उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि अगर ऐसा होता, तो फिल्म स्कूलों में गुरु दत्त की जगह सिर्फ ब्लॉकबस्टर फिल्मों पर ही अध्ययन होता।

फिलहाल, सोमेन मिश्रा के दावों ने सोशल मीडिया पर नई बहस छेड़ दी है। वहीं, अनुराग कश्यप की ओर से इस पूरे मामले पर अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। ऐसे में फैंस और इंडस्ट्री से जुड़े लोग अब इस विवाद पर निर्देशक के जवाब का इंतजार कर रहे हैं।

हॉलीवुड के महान निर्देशक जेम्स बरोज का सफर हुआ खत्म

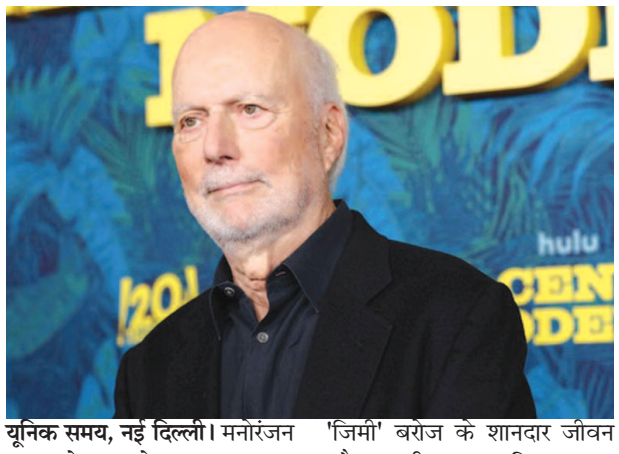

हॉलीवुड ने खोया कॉमेडी का बेताज बादशाह

85 की उम्र में जेम्स बरोज ने ली अंतिम सांस

यूनिक समय, नई दिल्ली। मनोरंजन जगत से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। टेलीविजन की दुनिया के दिग्गज निर्देशक और 11 बार एमी अवॉर्ड जीतने वाले जेम्स बरोज का 85 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनके परिवार ने आधिकारिक बयान जारी कर इस खबर की पुष्टि की।

जेम्स बरोज के निधन से हॉलीवुड, टेलीविजन इंडस्ट्री और दुनियाभर के करोड़ों प्रशंसकों को गहरा सदमा लगा है। परिवार की ओर से जारी बयान में कहा गया, "हम जेम्स 'जिमी' बरोज के शानदार जीवन और उनकी अमूल्य विरासत का सम्मान करते हैं।" उनके निधन के बाद मनोरंजन जगत में शोक की लहर दौड़ गई है और कई कलाकारों तथा फिल्मकारों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी है।

जेम्स बरोज को आधुनिक टीवी कॉमेडी का सबसे बड़ा शिल्पकार माना जाता है। जो आज भी दर्शकों के दिलों में खास जगह रखते हैं। उनकी रचनात्मक सोच, शानदार निर्देशन और कलाकारों को निखारने की क्षमता ने उन्हें टीवी इतिहास के सबसे सफल निर्देशकों में शामिल कर दिया।

अपने करियर के दौरान जेम्स बरोज ने 11 एमी अवॉर्ड अपने नाम किए। उन्हें 1980 और 1981 में लोकप्रिय शो 'टैक्सी' के लिए लगातार दो बार सर्वश्रेष्ठ निर्देशन का एमी पुरस्कार मिला। इसके अलावा उन्होंने कई सुपरहिट सिटकॉम्स का निर्देशन किया, जिनमें 'फ्रेंड्स', 'विल एंड ग्रेस', 'फ्रेजियर', 'माइक एंड मॉली' और कई अन्य चर्चित शो शामिल हैं।

उनकी सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक ठइउ का प्रतिष्ठित सिटकॉम 'चीयर्स' रहा, जिसे उन्होंने अपने भाइयों ग्लेन और लेस चार्ल्स के साथ मिलकर बनाया था। यह शो टेलीविजन इतिहास के सबसे सफल और लोकप्रिय कॉमेडी कार्यक्रमों में गिना जाता है। 'चीयर्स' ने न केवल दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया, बल्कि टीवी कॉमेडी के नए मानक भी स्थापित किए। जेम्स बरोज नए कलाकारों को अवसर देने और उनकी प्रतिभा को निखारने के लिए भी जाने जाते थे। मशहूर शो 'फ्रेंड्स' की स्टार कास्ट को शुरुआती दौर में मार्गदर्शन देने का श्रेय भी उन्हें जाता है। उन्होंने सिटकॉम निर्माण में कई तकनीकी प्रयोग किए और मल्टी–कैमरा फॉर्मेट को नई पहचान दिलाई।

जेम्स बरोज का जाना सिर्फ एक निर्देशक का निधन नहीं, बल्कि टेलीविजन कॉमेडी के स्वर्णिम अध्याय का अंत माना जा रहा है। उनकी रचनात्मक विरासत आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी रहेगी और उनके बनाए शो हमेशा दर्शकों के चेहरों पर मुस्कान बिखेरते रहेंगे।

आयरलैंड ने बढ़ाई कीवी टीम की धड़कनें

140 रन का बचाव बना परीक्षा

यूनिक समय, नई दिल्ली। महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 में न्यूजीलैंड ने बेहद रोमांचक मुकाबले में आयरलैंड को 4 रन से हराकर टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की। आखिरी ओवर तक चले इस मुकाबले में आयरलैंड ने कीवी टीम को कड़ी टक्कर दी, लेकिन न्यूजीलैंड ने दबाव के क्षणों में शानदार वापसी करते हुए जीत अपने नाम कर ली।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने सिर्फ 10 रन पर तीन बड़े विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद कप्तान अमेलिया केर, ब्रुक हॉलिडे और इजी शार्प ने पारी को संभाला। हॉलिडे ने 34 और शार्प ने 36 रन की अहम पारी खेली, जबकि सूजी बेट्स ने अंतिम गेंद पर छक्का जड़ते हुए टीम का स्कोर 140 रन तक पहुंचाया। 141 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आयरलैंड ने भी शानदार संघर्ष दिखाया। कप्तान गैबी लुईस और ऑर्ला प्रेंडरगास्ट ने दूसरे विकेट के लिए 110 रन जोड़कर मैच को आयरलैंड की ओर मोड़ दिया। प्रेंडरगास्ट ने 59 रन बनाए, जबकि लुईस ने भी बेहतरीन अर्धशतक जड़ा।

हालांकि, जब आयरलैंड जीत के बेहद करीब पहुंच चुकी थी, तभी अमेलिया केर ने शानदार गेंदबाजी करते हुए एक ही ओवर में दो महत्वपूर्ण विकेट झटक लिए। इसके बाद न्यूजीलैंड ने मैच पर पकड़ मजबूत कर ली और आयरलैंड की टीम 20 ओवर में 136 रन ही बना सकी।

इस रोमांचक जीत के साथ न्यूजीलैंड ने टूर्नामेंट में अपना खाता खोल लिया, जबकि आयरलैंड को लगातार तीसरी हार का सामना करना पड़ा।

राम मंदिर चढ़ावा जांच में बड़े एक्शन की तैयारी

कई पदाधिकारियों पर गिर सकती है गाज

यूनिक समय, अयोध्या। अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के कथित मामले की जांच अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई है। विशेष जांच दल (एसआईटी) लगातार छह दिनों से मंदिर परिसर और उससे जुड़े विभिन्न पहलुओं की गहन जांच कर रहा है। शनिवार को जांच का अंतिम चरण पूरा होने के बाद टीम के लखनऊ लौटने की संभावना है। माना जा रहा है कि जांच रिपोर्ट सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सौंपी जा सकती है।

सूत्रों के अनुसार, जांच के दौरान करीब 150 संदिग्ध लोगों के नाम सामने आए हैं। इनमें से लगभग 25 लोगों पर कार्रवाई की संभावना जताई जा रही है। एसआईटी ने मंदिर ट्रस्ट से जुड़े पदाधिकारियों, कर्मचारियों और बैंक अधिकारियों से अलग-अलग पूछताछ की है। जांच एजेंसियों ने वित्तीय लेनदेन, चढ़ावे की गिनती, अभिलेख प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े दस्तावेजों का भी परीक्षण किया है।

मामले में अब तक पांच लोगों की निशानदेही पर करीब दो करोड़ रुपये की बरामदगी होने की जानकारी सामने आई है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि कथित अनियमितताएं किस स्तर तक हुईं और इसके लिए कौन-कौन जिम्मेदार है। कुछ प्रमुख पदाधिकारियों की भूमिका भी जांच के दायरे में बताई जा रही है, हालांकि अंतिम निर्णय जांच रिपोर्ट के आधार पर ही लिया जाएगा।

इस मामले ने राजनीतिक गलियारों में भी हलचल बढ़ा दी है। विपक्षी दल निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की मांग कर रहे हैं, जबकि सरकार का कहना है कि दोषी चाहे कोई भी हो, उसे बख्शा नहीं जाएगा। विभिन्न धार्मिक संगठनों और संत समाज ने भी मामले की निष्पक्ष जांच तथा कठोर कार्रवाई की मांग की है।

देश के करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़े इस प्रकरण पर पूरे देश की नजरें टिकी हुई हैं। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि विशेष जांच दल की रिपोर्ट में क्या निष्कर्ष सामने आते हैं और सरकार आगे क्या कदम उठाती है।

चंपत राय और अनिल पर एक्शन लगभग तय

एसआईटी आज लखनऊ लौटेगी, योगी को सौंपेगी रिपोर्ट

एसआईटी रिपोर्ट पर टिकी सबकी निगाहें

राम मंदिर चढ़ावे पर घिरे सवाल, बढ़ी मुश्किलें

यूनिक समय, नई दिल्ली। अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे और दान की वस्तुओं को लेकर उठे सवाल लगातार गंभीर होते जा रहे हैं। एसआईटी की जांच के दौरान ऐसे कई तथ्य सामने आए हैं, जिन्होंने श्रद्धालुओं और रामभक्तों की चिंता बढ़ा दी है। जांच के केंद्र में राम शंकर यादव उर्फ टीनू यादव हैं, जिन पर चढ़ावे में मिली कीमती वस्तुओं और धन के गबन के आरोप लगे हैं। जौनपुर के कारोबारी अजय विश्वकर्मा ने रामलला को चांदी की चरण पादुकाएं और नवरत्नों से जड़ा हार भेंट किया था। आरोप है कि उन्हें आज तक दान की रसीद नहीं मिली। अब जांच में यह भी सामने आया है कि न तो वह हार मिल रहा है और न ही चरण पादुकाओं का कोई स्पष्ट रिकॉर्ड उपलब्ध है। बताया जा रहा है कि टीनू यादव ने दानकर्ता से कहा था कि "चांदी गला दी गई है, उसे भूल जाओ।" यही कथन अब जांच का महत्वपूर्ण आधार बन गया है।

गायब मिले दान के आभूषण, एसआईटी जांच में नए खुलासे

एसआईटी ने मंदिर ट्रस्ट से जुड़े कई पदाधिकारियों से पूछताछ शुरू कर दी है। जांच में यह भी सामने आया है कि मंदिर में कार्यों के संचालन के लिए निर्धारित प्रक्रिया का पूरी तरह पालन नहीं किया गया। कई जिम्मेदारियां लिखित आदेशों की बजाय मौखिक निर्देशों के आधार पर संचालित होती रहीं।

इस बीच मंदिर निर्माण से जुड़े पूर्व इंजीनियर दीनानाथ वर्मा ने भी गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका दावा है कि मंदिर निर्माण कार्यों के दौरान कमीशनखोरी और वित्तीय अनियमितताएं लंबे समय से चल रही थीं। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है और जांच एजेंसियां सभी पहलुओं की पड़ताल कर रही हैं।

सपा में टूट के दावे पर सियासी संग्राम तेज

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजनीति में समाजवादी पार्टी (सपा) को लेकर एक बार फिर बयानबाजी तेज हो गई है। सुभासपा प्रमुख और प्रदेश सरकार में मंत्री ओम प्रकाश राजभर द्वारा सपा में बड़ी टूट होने का दावा किए जाने के बाद मुरादाबाद से सपा सांसद रुचि वीरा ने करारा पलटवार किया है। उन्होंने राजभर के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी पूरी तरह एकजुट है और भाजपा के कई सांसद खुद सपा के संपर्क में हैं।

यह विवाद मुरादाबाद में आयोजित पीडीए सम्मेलन के बाद शुरू हुआ। 14 जून को हुए इस सम्मेलन में सांसद रुचि वीरा को आमंत्रित नहीं किए जाने की चर्चा राजनीतिक गलियारों में जोर पकड़ने लगी। रुचि वीरा ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि वह उस दिन मुरादाबाद में मौजूद थीं, लेकिन उन्हें कार्यक्रम की सूचना तक नहीं दी गई। उन्होंने इस मुद्दे को सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के सामने उठाने की बात भी कही थी।

इसी घटनाक्रम को आधार बनाकर ओम प्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी नेतृत्व पिछड़े और दलित समाज के नेताओं को पर्याप्त सम्मान नहीं देता। राजभर का कहना था कि सपा के भीतर असंतोष बढ़ रहा है और निकट भविष्य में पार्टी में बड़ी टूट देखने को मिल सकती है।

23 जून से रफ्तार पकड़ेगा मानसून, राहत के आसार

12 दिनों से तेलंगाना में था ठहरा

बिजली गिरने से 14 लोगों की मौत

यूनिक समय, लखनऊ। देशभर में मानसून की रफ्तार पिछले 12 दिनों से थमी हुई थी, लेकिन अब मौसम विभाग ने इसके फिर से सक्रिय होने के संकेत दिए हैं। विभाग के अनुसार 23 जून से मानसून आगे बढ़ सकता है और इसके छत्तीसगढ़ समेत मध्य भारत के कई हिस्सों में पहुंचने की संभावना है। महाराष्ट्र, तेलंगाना, ओडिशा, झारखंड, बिहार और छत्तीसगढ़ के ऊपर बने चक्रवाती सिस्टम ने मानसून को गति देने की परिस्थितियां तैयार कर दी हैं।

मानसून 15 दिनों में 19 राज्यों तक पहुंच चुका है, लेकिन 8 जून से तेलंगाना क्षेत्र में अटका हुआ था। अब मध्य भारत में बने चक्रवातीय घेरे के कारण मानसूनी बादलों के उत्तर भारत की ओर बढ़ने की उम्मीद है।

इधर, बिहार और झारखंड में खराब मौसम जानलेवा साबित हुआ है। बिहार में बिजली गिरने से छह लोगों और झारखंड में आठ लोगों की मौत हो गई। वहीं राजस्थान के कई जिलों में आंधी और बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने अगले दो दिनों में बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, असम, मेघालय और सिक्किम में बारिश की संभावना जताई है। मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और विदर्भ क्षेत्र में भी तेज हवाओं के साथ गरज-चमक और बारिश के आसार हैं। इससे भीषण गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद बढ़ गई है।

समाधान दिवस में डीएम का इंतजार करते रहे फरियादी

यूनिक समय, आगरा। आगरा सदर तहसील में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में शनिवार को फरियादियों को निराशा हाथ लगी। जिलाधिकारी के आने की सूचना पर बड़ी संख्या में लोग अपनी शिकायतें लेकर पहुंचे, लेकिन निर्धारित समय तक डीएम के नहीं पहुंचने से लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ा। डीएम की अनुपस्थिति में फरियादियों ने सरकारी जमीनों पर कब्जे, अवैध निर्माण और राजस्व अभिलेखों में गड़बड़ियों से संबंधित शिकायतें एसडीएम और तहसीलदार को सौंप दीं। अधिकारियों ने शिकायतों के शीघ्र निस्तारण का आश्वासन दिया। एसडीएम ने संबंधित विभागों को सात दिन के भीतर कार्रवाई कर रिपोर्ट देने के निर्देश दिए हैं। दूसरी ओर, ई-रजिस्ट्री व्यवस्था के विरोध में वकीलों, कातिबों और स्टांप विक्रेताओं की हड़ताल पांचवें दिन भी जारी रही। हड़ताल के कारण जमीनों की खरीद-फरोख्त और रजिस्ट्री का कार्य पूरी तरह प्रभावित रहा। निबंधन कार्यालय में कामकाज ठप रहने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। समाधान दिवस और रजिस्ट्री कार्य प्रभावित होने से तहसील परिसर में पूरे दिन अव्यवस्था का माहौल बना रहा।

ललितपुर बनेगा फार्मा हब बढ़ेंगे रोजगार अवसर

सीएम ने दी विकास परियोजनाओं की सौगात

बुंदेलखंड को मिलेगा नया औद्योगिक आधार

यूनिक समय, ललितपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ललितपुर में 1766 करोड़ रुपये की लागत से बने राजकीय मेडिकल कॉलेज सहित 221 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 से पहले ललितपुर विकास की मुख्यधारा से दूर था, लेकिन अब यह जिला प्रदेश के विकास मानचित्र पर तेजी से उभर रहा है।

सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश का पहला फार्मा पार्क ललितपुर में विकसित किया जा रहा है, जिससे हजारों युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि यह परियोजना जिले को नई औद्योगिक पहचान देने के साथ-साथ निवेश और नवाचार का केंद्र भी बनाएगी।

मुख्यमंत्री ने नवनिर्मित मेडिकल कॉलेज को बुंदेलखंड के लिए स्वास्थ्य सेवाओं में बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि इससे क्षेत्र के लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने कहा कि सरकार सिंचाई, स्वास्थ्य, शिक्षा और उद्योग के क्षेत्र में लगातार कार्य कर रही है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बुंदेलखंड को डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर के प्रमुख हब के रूप में भी विकसित किया जा रहा है। प्रदेश की 25 करोड़ जनता सरकार के लिए परिवार के समान है और उनके कल्याण के लिए विकास की यह यात्रा निरंतर जारी रहेगी।

अलीगढ़ की धातु मूर्तियों को मिली वैश्विक पहचान

जीआई टैग से बढ़ेगा निर्यात कारोबार

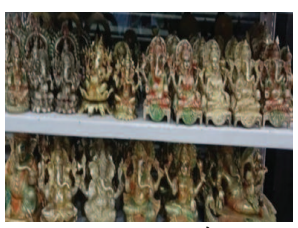

यूनिक समय, अलीगढ़। अलीगढ़ की विश्व प्रसिद्ध धातु मूर्तियों को ज्योग्राफिकल इंडिकेशन (जीआई) टैग मिलने से जिले को एक नई पहचान मिली है। इस उपलब्धि ने न केवल अलीगढ़ की पारंपरिक शिल्पकला को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मान दिलाया है, बल्कि उत्तर प्रदेश को भी जीआई टैग के मामले में देश का अग्रणी राज्य बनाए रखा है। चार नए जीआई टैग मिलने के बाद प्रदेश के कुल जीआई पंजीकृत उत्पादों की संख्या 83 हो गई है।

अलीगढ़ लंबे समय से अपने ताला उद्योग के साथ-साथ पीतल और अन्य धातुओं से निर्मित कलात्मक मूर्तियों के लिए भी प्रसिद्ध रहा है। यहां के कुशल कारीगर देवी-देवताओं, सांस्कृतिक प्रतीकों और पारंपरिक कलाकृतियों की आकर्षक मूर्तियां तैयार करते हैं, जिनकी मांग देश ही नहीं बल्कि अमेरिका, यूरोप, खाड़ी देशों और दक्षिण-पूर्व एशिया तक फैली हुई है। भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक प्रतीकों के प्रति बढ़ती वैश्विक रुचि ने इस उद्योग को निर्यात के क्षेत्र में महत्वपूर्ण स्थान दिलाया है।

कारीगरों को मिलेगा नया आर्थिक बल

अलीगढ़ ब्रास स्टेचू एंड आर्टवेयर सप्लायर एसोसिएशन के प्रयासों और विशेषज्ञों के तकनीकी सहयोग से यह उपलब्धि संभव हो सकी। जीआई टैग मिलने के बाद अब अलीगढ़ की धातु मूर्तियों की प्रामाणिकता को कानूनी संरक्षण मिलेगा। इससे नकली उत्पादों पर रोक लगाने में मदद मिलेगी और असली उत्पादों को बाजार में अलग पहचान प्राप्त होगी।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस मान्यता से स्थानीय कारीगरों की आय बढ़ेगी, नए रोजगार के अवसर पैदा होंगे और निर्यात को भी गति मिलेगी। साथ ही यह उपलब्धि 'वोकल फॉर लोकल' और 'आत्मनिर्भर भारत' की सोच को मजबूत करने वाली साबित होगी।

अलीगढ़ की यह सफलता केवल एक शहर की उपलब्धि नहीं, बल्कि भारतीय हस्तशिल्प, परंपरा और कारीगरों की मेहनत को मिला सम्मान है। जीआई टैग के रूप में मिली यह पहचान आने वाले वर्षों में अलीगढ़ की कला को विश्व बाजार में और अधिक मजबूती प्रदान करेगी।

घर में घुसकर युवती से छेड़छाड़, छह गिरफ्तार

सिर पर हमला कर किया घायल, बीच सड़क हंगामे का वीडियो वायरल

यूनिक समय, आगरा। आगरा के जगदीशपुरा थाना क्षेत्र स्थित बीधा नगर में एक युवती के साथ छेड़छाड़ और मारपीट का गंभीर मामला सामने आया है। आरोप है कि कुछ लोग वाहनों से पहुंचकर जबरन एक घर में घुस गए और वहां मौजूद युवती के साथ अभद्रता व छेड़छाड़ की। विरोध करने पर आरोपियों ने युवती के सिर पर हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया।

घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और बीच सड़क पर भी हंगामा हुआ। इस दौरान हुई मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। पीड़िता का आरोप है कि हमलावर धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए।

मामले की सूचना मिलते ही पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पीड़िता की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया। जांच के दौरान छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस का कहना है कि मामले की गहन जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल है, जबकि पुलिस स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

हरिद्वार जमीन घोटाले में धामी का बड़ा एक्शन

आईएएस अधिकारी वरुण पर बर्खास्तगी की लटकी तलवार

यूनिक समय, नई दिल्ली। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हरिद्वार नगर निगम जमीन घोटाले में बड़ी कार्रवाई करते हुए पूर्व नगर आयुक्त आईएएस वरुण चौधरी को बर्खास्त करने की सिफारिश की है। इस मामले में अन्य अधिकारियों पर भी सख्त कार्रवाई की गई है।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर तत्कालीन जिला मजिस्ट्रेट करमेंद्र सिंह के खिलाफ भी गंभीर अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की गई है। सेवा नियमों के तहत उनका पद घटाने या सेवा से

हटाने तक की कार्रवाई की जा सकती है। वहीं तत्कालीन एसडीएम अजयवीर सिंह के खिलाफ प्रतिकूल टिप्पणी दर्ज करते हुए उनके तीन वार्षिक वेतनवृद्धि रोकने का निर्णय लिया गया है। जांच में सामने आया कि नगर निगम ने कचरा डंपिंग यार्ड के लिए लगभग 15 करोड़ रुपये मूल्य की 2.3070 हेक्टेयर भूमि को करीब 54 करोड़ रुपये में खरीदा। आरोप है कि इस खरीद प्रक्रिया में कई नियमों और प्रशासनिक प्रक्रियाओं का उल्लंघन किया गया। अनियमितताओं के संकेत मिलने पर सरकार ने पहले ही सात अधिकारियों को निलंबित कर जांच शुरू कर दी थी। अब जांच में आरोप सही पाए जाने के बाद कार्रवाई का दायरा बढ़ा दिया गया है।

मुख्यमंत्री धामी ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि उनकी सरकार भ्रष्टाचार के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति पर काम कर रही है। इस कार्रवाई को प्रशासनिक व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। इससे सरकारी तंत्र में यह संदेश गया है कि भ्रष्टाचार और वित्तीय अनियमितताओं में लिप्त अधिकारियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

सीबीआई कोर्ट ने सुनाया फैसला

20 साल पुराने हत्याकांड में सभी आरोपी बरी

सबूतों की कमी बनी वजह

यूनिक समय, नई दिल्ली। महाराष्ट्र के बहुचर्चित पवनराजे निंबालकर हत्याकांड में 20 वर्ष बाद बड़ा फैसला आया है। मुंबई की विशेष सीबीआई अदालत ने मामले के सभी आरोपियों को बरी कर दिया। वर्ष 2006 में नवी मुंबई के कलंबोली में पवनराजे निंबालकर और उनके ड्राइवर समद काजी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। यह मामला उस समय पूरे महाराष्ट्र में चर्चा का विषय बना था।

फैसला सुनाते हुए अदालत ने कहा कि यह बेहद दुखद घटना थी, लेकिन उपलब्ध साक्ष्य आरोप साबित करने के लिए पर्याप्त नहीं हैं। अदालत ने जांच और अभियोजन पक्ष की कई कमियों की ओर भी संकेत किया। न्यायालय के अनुसार कई महत्वपूर्ण सबूतों की पुष्टि नहीं हो सकी और गवाहों के बयानों में भी विरोधाभास पाए गए।

मामले में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के पूर्व सांसद पद्मसिंह पाटिल समेत कई लोगों पर हत्या की साजिश रचने का आरोप था। अभियोजन पक्ष ने ट्रायल के दौरान 128 गवाह पेश किए, लेकिन अदालत ने माना कि आरोप सिद्ध करने के लिए ठोस और विश्वसनीय साक्ष्य उपलब्ध नहीं हैं। करीब डेढ़ दशक तक चली सुनवाई और दो दशक पुराने इस चर्चित मामले के फैसले से पीड़ित पक्ष को बड़ा झटका लगा है। अदालत के निर्णय के बाद सभी आरोपियों को दोषमुक्त घोषित कर दिया गया।

आतंकियों के जिहाद के नाम पर निजी स्वार्थ का खेल

मुठभेड़ में मिले निजी सामान उजागर

प्रेम पत्र और कंडोम मिले

यूनिक समय, नई दिल्ली। कश्मीर में सक्रिय पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद को लेकर पूर्व अंडरकवर ऑपरेटिव मुश्ताक अहमद भट ने कई चौंकाने वाले दावे किए हैं। एक पॉडकास्ट इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि मुठभेड़ों में मारे गए कुछ आतंकियों के पास से ऐसे निजी सामान और दस्तावेज मिले, जो उनके घोषित 'जिहाद' के दावों पर सवाल उठाते हैं। मुश्ताक के अनुसार, कई आतंकियों के पास स्थानीय युवतियों को लिखे गए प्रेम पत्र और कंडोम जैसी वस्तुएं मिलीं। इन पत्रों में धार्मिक उद्देश्य की बजाय व्यक्तिगत संबंध बनाने की बातें सामने आईं। उन्होंने यह भी दावा किया कि कुछ आतंकी नकली पहचान और भावनात्मक रिश्तों का इस्तेमाल कर स्थानीय लोगों का विश्वास जीतने की कोशिश करते थे, ताकि अपने निजी हित साध सकें। पूर्व ऑपरेटिव ने आरोप लगाया कि विदेशी आतंकी अक्सर स्थानीय युवाओं और युवतियों को गुमराह करने की कोशिश करते थे। हालांकि इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन इससे आतंकवाद के उन पहलुओं पर बहस शुरू हो गई है, जो आम तौर पर सार्वजनिक चर्चा में कम सामने आते हैं।

नीट का अजब कारनामा सेंटर मिला सात समंदर पार

तकनीकी गड़बड़ी से मचा बवाल, नया प्रवेश पत्र होगा जारी

यूनिक समय, नई दिल्ली। नीट–यूजी 2026 पुनर्परीक्षा से पहले एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। नागपुर के एक छात्र को परीक्षा केंद्र के लिए महाराष्ट्र के बजाय सीधे अबू धाबी आवंटित कर दिया गया। एडमिट कार्ड देखते ही छात्र और उसके परिवार के होश उड़ गए।

छात्र अब्दुल्लाह ने परीक्षा केंद्र के लिए नागपुर, वर्धा और भंडारा को प्राथमिकता दी थी, लेकिन प्रवेश पत्र में संयुक्त अरब अमीरात के अबू धाबी का केंद्र दर्ज मिला। इस अप्रत्याशित गलती से परिवार चिंता में पड़ गया और तुरंत संबंधित अधिकारियों से संपर्क किया। शिकायत मिलने के बाद अधिकारियों ने इसे तकनीकी त्रुटि माना और आश्वासन दिया कि छात्र को नया प्रवेश पत्र जारी किया जाएगा। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने भी स्पष्ट किया है कि संशोधित एडमिट कार्ड में नागपुर क्षेत्र का ही परीक्षा केंद्र आवंटित किया जाएगा। छात्र के पिता ने बताया कि पिछली परीक्षा में उसके बेटे का प्रदर्शन अच्छा रहा था और वह पुनर्परीक्षा की तैयारी भी पूरी मेहनत से कर रहा था। हालांकि इस गड़बड़ी ने उसे मानसिक रूप से परेशान कर दिया। फिलहाल परिवार को उम्मीद है कि समय रहते नया प्रवेश पत्र जारी हो जाएगा और छात्र निर्धारित परीक्षा में शामिल हो सकेगा। यह मामला एक बार फिर परीक्षा प्रबंधन और तकनीकी व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े कर रहा है।

शिवसेना मंच से शिंदे का उद्धव पर तीखा हमला

महायुति गठबंधन पर दिया बड़ा बयान

विपक्ष की राजनीति को बताया भ्रम फैलाने वाला

यूनिक समय, नई दिल्ली। शिवसेना स्थापना दिवस कार्यक्रम में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे गुट और विपक्ष पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि महायुति गठबंधन पूरी तरह मजबूत है और सरकार विकास कार्यों पर लगातार काम कर रही है। शिंदे ने आरोप लगाया कि विपक्ष केवल भ्रम फैलाने और अफवाहें फैलाने की राजनीति कर रहा है। अपने संबोधन में शिंदे ने कहा कि कुछ लोग उनके और देवेंद्र फडणवीस के बीच मतभेद दिखाने की कोशिश करते हैं, जबकि हकीकत में सरकार में पूरा तालमेल है। उन्होंने विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा, "कुत्ते भौंकते हैं, लेकिन बाघ शिकार करता है," जिसका राजनीतिक हलकों में जोरदार असर देखा गया। शिंदे ने बालासाहेब ठाकरे का भी उल्लेख किया और कहा कि शिवसेना के कई सपने अब पूरे हो रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि जनता विकास कार्यों को देख रही है और भविष्य में भी समर्थन देगी।

ताइवान के चारों ओर बढ़ा चीन का सैन्य घेरा

अमेरिका समेत दुनिया हुई सतर्क

यूनिक समय, नई दिल्ली। ताइवान को लेकर एशिया में तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। चीन ने ताइवान के आसपास अपनी सैन्य गतिविधियां तेज कर दी हैं, जिससे संभावित संघर्ष की आशंकाएं बढ़ गई हैं। विशेषज्ञों के अनुसार ताइवान के चारों ओर अब लगभग हर समय पांच से छह चीनी युद्धपोत सक्रिय रहते हैं।

बताया जा रहा है कि चीन ने पिछले कुछ वर्षों में चरणबद्ध तरीके से अपनी नौसैनिक मौजूदगी मजबूत की है। पहले नियमित गश्त शुरू की गई, फिर ताइवान के उत्तर, दक्षिण और पूर्वी समुद्री क्षेत्रों में स्थायी तैनाती बढ़ाई गई।

अब आधुनिक मिसाइल–सज्जित युद्धपोतों की मौजूदगी ने क्षेत्रीय सुरक्षा चिंताओं को और बढ़ा दिया है। विशेषज्ञ मानते हैं कि चीन केवल शक्ति प्रदर्शन नहीं कर रहा, बल्कि समुद्री मार्गों, सैन्य ठिकानों और रणनीतिक क्षेत्रों की जानकारी भी जुटा रहा है। वहीं अमेरिका और उसके सहयोगी देशों की गतिविधियों पर भी नजर रखी जा रही है।

हालांकि किसी तत्काल युद्ध की घोषणा नहीं हुई है, लेकिन बढ़ती सैन्य गतिविधियों ने दुनिया का ध्यान ताइवान पर केंद्रित कर दिया है। जानकारों का कहना है कि यह क्षेत्र आने वाले समय में वैश्विक राजनीति का सबसे संवेदनशील केंद्र बन सकता है।

आईआईटी बॉम्बे कैंपस में तेंदुए का हमला

हॉस्टल परिसर में कुत्ते का शिकार

वीडियो वायरल, सुरक्षा बढ़ाई गई

यूनिक समय, नई दिल्ली। मुंबई स्थित आईआईटी बॉम्बे के हॉस्टल परिसर में एक तेंदुए के घुसने और कुत्ते पर हमला करने की घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है। वायरल वीडियो में दिख रहा है कि तेंदुआ रात करीब 2:30 बजे हॉस्टल क्षेत्र में घुसा और सीढ़ियों के पास बैठे कुत्ते पर झपट पड़ा। कुछ ही सेकेंड में उसने कुत्ते को पकड़कर झाड़ियों की ओर घसीट लिया।

घटना के बाद कैंपस में छात्रों और स्टाफ की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है और प्रशासन ने सतर्कता बढ़ा दी है। हालांकि किसी छात्र या कर्मचारी को नुकसान नहीं पहुंचा है। आईआईटी बॉम्बे का कैंपस संजय गांधी नेशनल पार्क से सटा होने के कारण यहां पहले भी तेंदुए देखे जाने की घटनाएं सामने आती रही हैं। वन विभाग को सूचना दे दी गई है और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया गया है।

अमेरिका में महाभूकंप का खतरा, वैज्ञानिकों दी चेतावनी

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिका के दक्षिणी कैलिफोर्निया क्षेत्र में बड़े भूकंप की आशंका को लेकर वैज्ञानिकों ने नई चेतावनी जारी की है। हालिया शोध में पाया गया है कि प्रसिद्ध सैन एंड्रियास और सैन जैसिंटो फॉल्ट लाइनों पर पिछले एक हजार वर्षों में सबसे अधिक भू–तनाव जमा हो चुका है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इन फॉल्ट क्षेत्रों में शक्तिशाली भूकंप आता है तो उसका प्रभाव पहले के अनुमान से कहीं अधिक व्यापक हो सकता है।

वैज्ञानिकों के अनुसार दोनों फॉल्ट लाइनें काजोन पास नामक स्थान पर मिलती हैं, जिसे "अर्थक्वेक गेट" यानी भूकंप का दरवाजा कहा जाता है। यह क्षेत्र भूकंपीय ऊर्जा को एक फॉल्ट से दूसरे फॉल्ट तक पहुंचा सकता है। ऐसी स्थिति में एक ही भूकंप कई शहरों को एक साथ प्रभावित कर सकता है।

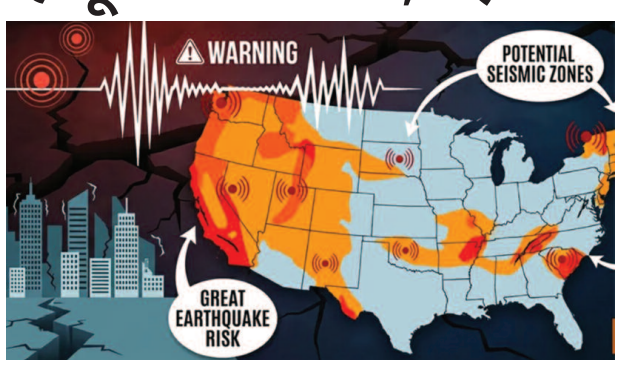

शोधकर्ताओं का कहना है कि लॉस एंजिल्स, सैन बर्नार्डिनो, रिवरसाइड और कोचेला वैली जैसे इलाकों में बड़े पैमाने पर नुकसान की आशंका बन सकती है।

अध्ययन के मुताबिक संभावित भूकंप की तीव्रता 7.4 से 7.8 मैग्नीट्यूड तक पहुंच सकती है, जो सड़क, रेलवे और ऊर्जा ढांचे को गंभीर क्षति पहुंचाने में सक्षम है। हालांकि वैज्ञानिकों ने लोगों से घबराने के बजाय सतर्क रहने की अपील की है। उनका कहना है कि यह चेतावनी तैयारी बढ़ाने के लिए है, ताकि किसी संभावित आपदा की स्थिति में नुकसान को कम किया जा सके। विशेषज्ञों का मानना है कि दक्षिणी कैलिफोर्निया में भूकंप का खतरा लगातार बढ़ रहा है और सुरक्षा तैयारियों को प्राथमिकता देने का समय अभी है।

हजार साल में सबसे ज्यादा दबाव

कई शहरों पर मंडरा रहा खतरा

एसआईटी जांच में नए खुलासे

देशभर के शहरों में कल मनेगा योग का उत्सव

यूनिक समय, नई दिल्ली। योग आज भारत की पहचान ही नहीं बल्कि दुनिया भर में स्वस्थ जीवनशैली का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 पूरे देश में भव्य रूप से मनाया जाएगा। इस वर्ष की थीम 'स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग' रखी गई है, जिसका उद्देश्य हर उम्र के लोगों को योग के लाभों से जोड़ना है।

मुख्य राष्ट्रीय कार्यक्रम कोलकाता के ब्रिगेड ग्राउंड में आयोजित होगा, जहां प्रधानमंत्री देशवासियों के साथ योग करेंगे। इसके अलावा दिल्ली के लाल किले, मुंबई के गेटवे ऑफ इंडिया, ऋषिकेश, हर की पौड़ी और कोणार्क सूर्य मंदिर जैसे ऐतिहासिक स्थलों पर भी विशेष योग सत्र होंगे। सुबह 7 बजे लाखों लोग एक साथ कॉमन योगा प्रोटोकॉल का हिस्सा बनेंगे, जिससे योग और भारतीय संस्कृति का संदेश पूरे विश्व में पहुंचेगा।

समाधान दिवस में डीएम और एसएसपी ने सुनीं शिकायतें

निस्तारण में लापरवाही पर राजस्व निरीक्षक और लेखपाल निलंबित

छाता तहसील में आयोजित समाधान दिवस में लोगों की शिकायत सुनते डीएम और एसएसपी ।

संवाददाता

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। छाता तहसील मुख्यालय पर आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में शनिवार को जिला अधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने जनता की समस्याओं को सुना। समाधान दिवस में 60 शिकायतें दर्ज की गईं, लेकिन सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि मौके पर एक भी शिकायत का निस्तारण नहीं हो सका। हालांकि, अधिकारियों का दावा है कि आईजीआरएस पोर्टल पर मिलने वाली सभी पुरानी शिकायतों का निस्तारण समय से कर दिया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस बार छाता तहसील के कामर गांव से सबसे अधिक प्रार्थना पत्र सामने आए हैं। समाधान दिवस में सबसे गंभीर मामला यह सामने आया कि कई फरियादी एक ही समस्या को लेकर पांच से सात बार तक चक्कर काट चुके हैं, फिर भी उनकी शिकायतों का समाधान नहीं हुआ।

इस लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन ने मामलों की जांच और त्वरित कार्रवाई के लिए एक एडीएम को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बरतने और टालमटोल करने वाले कर्मचारियों के खिलाफ डीएम चंद्र प्रकाश ने सख्त रुख अख्तियार कर लिया है। डीएम ने बताया कि लापरवाही बरतने के आरोप में कल ही यहां के एक लेखपाल और एक राजस्व निरीक्षक (कानूनगो) को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। इसके अलावा इस लापरवाही में शामिल उच्च अधिकारियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है और उनके खिलाफ भी ऊपर (शासन) लिखा जा रहा है।

जिलाधिकारी ने सभी सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि सरकार ने हम सभी को यहां इसलिए तैनात किया है, ताकि आम जनता की समस्याओं का समय से और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हो सके।

छाता तहसील में कुछ शिकायतें ज्यादा हैं, इन सभी की विस्तृत जांच कराई जाएगी। कार्य में किसी भी स्तर पर शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

आपकी आवाज बनेगा हमारा अभियान

जनहित से जुड़े मुद्दों को उजागर करने और आम जनता की समस्याओं को संबंधित विभागों तक पहुंचाने के लिए हम आपके सहयोग की अपेक्षा करते हैं। यदि आपके क्षेत्र में किसी भी विभाग से संबंधित कोई समस्या, अव्यवस्था, लापरवाही, भ्रष्टाचार, गंदगी, टूटी सड़क, जलभराव, बिजली–पानी की समस्या अथवा अन्य कोई जनहित का मामला है, तो उसकी जानकारी हमें भेजें। समस्या से संबंधित स्पष्ट फोटो या वीडियो के साथ संक्षिप्त विवरण उपलब्ध कराएं। आपकी ओर से प्राप्त जानकारी को प्रमुखता से प्रकाशित कर संबंधित अधिकारियों एवं विभागों तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा, ताकि समस्या के समाधान में मदद मिल सके।

आपकी जागरूकता, समाज के विकास की ताकत है।

–संपादक

टेलीफोन : 0565–3550761 **मोबाइल : 8394983366**

चौमुहां में दो दिन बंद रहेगी बिजली

यूनिक समय, चौमुहां। स्थानीय विद्युत उपकेंद्र से जुड़े उपभोक्ताओं के लिए यह जरूरी समाचार है। कल रविवार और सोमवार को क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। विद्युत विभाग द्वारा यह कटौती लाइन की मरम्मत और क्षतिग्रस्त पोलों को बदलने के लिए की जा रही है। उपखंड अधिकारी सर्वज्ञ श्रीवास्तव ने बताया कि 33 केवी मुख्य लाइन पर लगे क्षतिग्रस्त विद्युत पोलों को हटाने और नए पोल लगाने का कार्य किया जाना है। इस जरूरी मरम्मत कार्य के चलते चौमुहां उपकेंद्र से होने वाली बिजली सप्लाई दो दिनों तक अलग–अलग समय पर बंद रखी जाएगी। रविवार सुबह आठ बजे से दोपहर एक बजे तक विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी और सोमवार सुबह आठ बजे से शाम छह बजे तक लंबा पावर कट रहेगा। विद्युत विभाग के अधिकारियों ने सभी क्षेत्रवासियों और उपभोक्ताओं से कहा है कि वह पानी का भंडारण, मोबाइल/इन्वर्टर चार्जिंग और अन्य बिजली से संबंधित सभी आवश्यक कार्य सुबह आठ बजे से पहले ही अनिवार्य रूप से पूरे कर लें, ताकि उन्हें कटौती के दौरान किसी बड़ी परेशानी का सामना न करना पड़े।

कल सुबह आठ बजे से पहले निपटा लें जरूरी काम

छाता में 12 दिन से हड़ताल पर डटे लेखकों को मिला सपा का समर्थन

छाता में लेखकों के आंदोलन में मौजूद सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष मणिकांत जादौन।

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। विभिन्न मांगों को लेकर पिछले 12 दिनों से अनवरत कलम बंद हड़ताल पर डटे लेखक संघ के आंदोलन को अब राजनीतिक समर्थन मिलना भी शुरू हो गया है। शनिवार को समाजवादी पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष लोक मणिकांत जादौन ने धरना स्थल पर पहुंचकर लेखक संघ के आंदोलन को अपनी पार्टी का पूर्ण समर्थन देने का ऐलान किया।

सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष लोक मणिकांत जादौन ने कहा कि लेखक संघ की मांगें पूरी तरह जायज हैं। प्रशासन को इनकी समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए तुरंत समाधान निकालना चाहिए। न्याय और हक की इस लड़ाई में समाजवादी पार्टी पूरी मजबूती के साथ लेखक संघ के साथ खड़ी है। जब तक आपकी मांगें पूरी नहीं हो जातीं, तब तक हमारा यह समर्थन और संघर्ष जारी रहेगा।

पूर्व जिलाध्यक्ष मणिकांत जादौन पहुंचे धरनास्थल

इस अवसर पर हीरेंद्र सारस्वत, रामकिशन ,प्रेमपाल सिंह, दिगंबर ,जसराम, वीरेंद्र ,मदन गोपाल शर्मा,राजू तोमर,कांति शर्मा तथा राजू गुप्ता आदि मौजूद थे।

गोवर्धन रोड पर सीह के समीप बलेनो–टेंपो टकराए

यूनिक समय, गोवर्धन। थाना बरसाना क्षेत्र स्थित गोवर्धन रोड के सीह पलसो के समीप बीती रात बलेनो कार और टेंपो के बीच हुई भीषण टक्कर में टेंपो चालक की मौत हो गई और दोनों वाहनों में सवार दस लोग घायल हो गए। दुर्घटना के घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने एम्बुलेंस से हॉस्पिटल पहुंचाया गया।

शुक्रवार क्देर रात डीसीआर मथुरा द्वारा थाना बरसाना को सूचना दी गई कि गोवर्धन से बरसाना आने बाले रोड पर एक एक्सीडेंट हो गया है। इस पर निरीक्षक घनेन्द्र शर्मा मय उपनिरक्षक प्रवीन तेवतिया,राहुल सिंह,गौरव तोमर को लेकर तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गए। बरसाना की तरफ से जा बलेनो कार गोवर्धन की तरफ से आ रहा टेंपो से गायत्री देवी पब्लिक स्कूल के सामने सीह गांव के पास आमने सामने से बुरी तरह टकरा गई थी। दुर्घटना में टेंपो का ड्राइवर रघुवीर पुत्र प्रेम चंद निवासी कमई थाना बरसाना की घटना स्थल पर ही मौत हो चुकी थी। हादसे में बलेनो और टेंपो में सवार 10 लोग घायल हो गये। घायलों में राजकुमारी, सविता, प्रियंसी, अर्चना,नीरज,जितेंद्र पुत्र महेंद्र सिंह सभी ग्राम इटावा गिन्नौर हीरापुर संभल, साक्षी गुप्ता पुत्री सूरज कुमार निवासी गयेघाट बजरंगपुरी पटना,स्नेहलता पत्नी सूरज कुमार, सूरज कुमार पुत्र गोपाल सभी निवासी गयेघाट बजरंगपुरी पटना बिहार घायल हो गए। पुलिस ने सभी घायलों को एंबुलेंस से स्वास्थ्य केंद्र गोवर्धन में भर्ती कराया। वहीं, पुलिस ने मृतक टेंपो चालक रघुवीर के शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

टेंपो चालक की मौके पर हुई मौत, दस घायलों को पुलिस ने हॉस्पिटल पहुंचाया

चंदन टीका लगाने वाली महिलाओं का बोलबाला

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। मंदिरों की नगरी में अब नकली किन्नर और चंदन लगाने वाली महिला और बालिकाओं को बोलबाला बढ़ गया है। इनकी संख्या इस कदर बढ़ गई है कि वह किसी न किसी क्षेत्र में बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं के साथ दुर्व्यवहार भी कर देती है। फिर टकराव की स्थिति बन जाती है।

नकली किन्नर तो नेग मांगने के लिए मंदिरों वाले रास्ते पर मंडराती रहती है। यदि कोई अच्छा खासा श्रद्धालु परिवार दिखाई दिया तो उसके सामने नेग मांगने के लिए ऐसा नाटक करती है कि पूछो मत। यदि श्रद्धालु परिवार कुछ भी देने से इंकार करता है तो उल्टी सीधी गालियों के साथ दुर्व्यवहार भी किया जाता है। इसी तरह से चंदन लगाने वाली महिला और बालिकाएं यहां दिखाई देती हैं। यह अपने हाथ चंदन से भरी टकोरी लेकर श्रद्धालुओं के माथे पर चंदन लगाने के लिए उतावली देखी जाती है। कोई श्रद्धालु बीस रुपये दे जाता है तो कोई पचास रुपये दे देता है। कभी कभार ऐसी स्थिति पैदा होती है कि लड़ाई की नौबत आ जाती है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यह महिला और बालिका बिना नहाने चंदन टीका श्रद्धालुओं के लगाती है। यह प्रथा गलत है। इन महिला और बालिकाओं की जांच होनी चाहिए। यह कहां की रहने वाली है और वृंदावन आने का मकसद क्या है।

नकली किन्नर भी कर रहे हैं श्रद्धालुओं के साथ दुर्व्यवहार

किसानों के खाते में आए 47 .80 करोड़ रुपये

यूनिक समय, मथुरा। शनिवार का दिन जिले के करीब 2.39 लाख किसानों के लिए खुशियां लेकर आया। पश्चिम बंगाल दौरे के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी ने बटन दबाया तो किसानों के खातों में खटाक से करोड़ों रुपये आ गिरे। किसानों के खाते में पीएम किसान सम्मान निधि के रूप में करीब 47.70 करोड़ रुपये आए हैं। वहीं, अभिलेखों में कमी की वजह से काफी किसान पीएम सम्मान की निधि से वंचित हो गए।

केंद्र सरकार हर साल किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि के तौर पर छह हजार रुपये की आर्थिक मदद देती है। यह धनराशि तीन बार में किसानों को खाते में मिलती है। आज योजना की 23 वीं किश्त जारी हुई। शासन स्तर से करीब 2.39 लाख किसानों के खातों में करीब 47 करोड 80 लाख रुपये की पीएम किसान सम्मान निधि आई है। यह धनराशि किसानों के खातों में ऑनलाइन ट्रांसफर की गई है। किसान सम्मान निधि की 23 वीं किश्त मिलने पर किसानों के चेहरे खिल उठे है।

करीब 2.39 लाख किसानों को मिला पीएम किसान सम्मान

अभिलेख अधूरे रहने से काफी किसानों को नहीं मिला लाभ

कृषि विभाग में करीब 3 लाख 10 हजार किसान पंजीकृत है। पिछले दिनों शासन स्तर से आदेश जारी हुआ था कि सभी किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि लेने के लिए ई- केवाईसी कराना आवश्यक है। जो किसान अपनी ई केवाईसी नहीं कराएगा, उनको पीएम किसान सम्मान निधि का लाभ नहीं मिलेगा। इसके बाद किसान ई-केवाइसी कराने में जुट गए। इसके बाद योजना में पारदर्शिता के लिए भूलेख अंकन और अन्य तकनीकी को शामिल किया गया।

अब शासन स्तर से पीएम किसान सम्मान निधि की 23वीं किश्त जारी हुई है। मंगलवार को जनपद के करीब 2.39 लाख किसानों के खातों में किसान सम्मान निधि की यह किश्त आयी है। इन किसानों के खातों में करीब 47.80 करोड की धनराशि पीएम किसान सम्मान निधि के रूप में पहुंची है। शेष किसानों के खातों में अभी किसान सम्मान निधि की किश्त नहीं आ पायी है।

प्रभारी उप कृषि निदेशक- जिला कृषि अधिकारी आवेश कुमार ने बताया कि योजना के अंतर्गत 3.10 लाख किसानों की सूची भेजी गई है, लेकिन 22 वीं किश्त केवल 2.39 लाख किसानों को मिली। ऐसे में 23 वीं किश्त भी इतने ही किसानों को मिली होगी।

बिना टिकट यात्रा पड़ेगा महंगा जुर्माना की राशि हुई दोगुनी

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। ट्रेन में बिना टिकट यात्रा अब भारी पड़ेगी। एक जुलाई से रेलवे के नियम में बदलाव होगा। बिना टिकट पकड़े जाने पर दो गुना जुर्माना देना होगा। जानकारों की मानें तो रेलवे ने 13 साल बाद पेनल्टी बढ़ाई है। न्यूनतम जुर्माना 250 रुपये से बढ़ाकर 500 रुपये किया गया है। दूसरे व्यक्ति के टिकट पर यात्रा करने वालों पर भी कार्रवाई होगी।

घायल साइकिल सवार की पांचवें दिन मौत

यूनिक समय, मथुरा। थाना राया इलाके में बाइक की टक्कर से घायल साइकिल सवार की इलाज के दौरान पांचवे दिन मौत हो गई। होहल्ला राया निवासी प्रहलाद सिंह (30) को 15 जून को साइकिल से जाते समय बाइक सवार ने टक्कर मारकर गंभीर घायल कर दिया था। प्रहलाद सिंह का हॉस्पिटल में इलाज चल रहा था। इलाज के दौरान बीती रात उसकी मौत हो गई। प्रहलाद की मौत का पता लगने पर पुलिस ने शव का पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।